खण्ड–521, अंक–01
सोमवार, 01 फाल्गुन, शक संवत् 1944
(20 फरवरी, 2023 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

–: 0 :–

(अधिकृत विवरण)

(अट्ठारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2023)

(खण्ड 521 में 10 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2023

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
अट्ठारहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची, महामहिम राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल की सूची	1-14
उपस्थित सदस्यों की सूची	15-22
राष्ट्रीय गीत	23-47
श्री राज्यपाल के अभिभाषण का श्री अध्यक्ष द्वारा आंशिक पाठ ...	47
श्री राज्यपाल के अभिभाषण को ऑनलाइन/ऑफलाइन उपलब्ध कराने की मांग	47-49
श्री अध्यक्ष द्वारा सदन को सम्बोधन	49-50
पार्लियामेंट की भांति ही वरिष्ठ सदस्यों को आवास आवंटित किये जाने की मांग	50
विभागवार बजट पेश करने और कटौती का प्रस्ताव रखने के सम्बन्ध में मा0 सदस्यों के लिये सिंगल विण्डो की सुविधा उपलब्ध कराने एवं मा0 सदस्यों से सम्बन्धित प्रकरणों में मीडिया ट्रायल न किये जाने के सम्बन्ध में	51-52
उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अध्यादेश, 2023 (सदन के पटल पर रखा गया)	52
राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1010/ग्यारह-2-22-9(42)-17-टी0सी0-62-उ0प्र0 जी0एस0टी0-नियम-2017-आदेश-(256)- 2022, दिनांक 22 दिसम्बर, 2022 (सदन के पटल पर रखा गया) ...	52-53
राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1239/ग्यारह-2-22-9 (47)-17-टी0सी0-202-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(257)- 2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 (सदन के पटल पर रखा गया) ...	53
राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1240/ग्यारह-2-22-9 (47)-17-टी0सी0-203-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(258)- 2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 (सदन के पटल पर रखा गया) ...	53
राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1241/ग्यारह-2-22-9 (47)-17-टी0सी0-204-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(259)- 2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 (सदन के पटल पर रखा गया) ...	53
राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1242/ग्यारह-2-22-9 (47)-17-टी0सी0-205-उ0प्र0 अधि0-1-2017-आदेश-(260)- 2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 (सदन के पटल पर रखा गया) ...	53-54

विषय	पृष्ठ संख्या
राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1153/ग्यारह- 2-22-9(42)-17-टी0सी0-63-उ0प्र0 जी0एस0टी0-नियम-2017- आदेश-(261)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 (सदन के पटल पर रखा गया) ...	54
राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1193/ग्यारह- 2-22-9(42)-17-टी0सी0-64-उ0प्र0 जी0एस0टी0-नियम-2017- आदेश-(262)-2023, दिनांक 27 जनवरी, 2023 (सदन के पटल पर रखा गया)...	54
मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियां एवं पंचायतें, उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2015-2016 (सदन के पटल पर रखा गया) ...	54
उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत (संशोधन) विधेयक, 2022 (विधान परिषद् से वापसी की सूचना) ...	55
इण्टरमीडिएट शिक्षा (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022 (विधान परिषद् से वापसी की सूचना) ...	55
उत्तर प्रदेश निरसन विधेयक, 2022 (विधान परिषद् से वापसी की सूचना)	55
उत्तर प्रदेश श्री नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद् विधेयक, 2022 (विधान परिषद् से वापसी की सूचना) ...	55
उत्तर प्रदेश विनियोग (2022-2023 का अनुपूरक) विधेयक, 2022 (मा0 राज्यपाल की अनुमति की सूचना) ...	55-56
उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत (संशोधन) विधेयक, 2022 (मा0 राज्यपाल की अनुमति की सूचना) ...	56
इण्टरमीडिएट शिक्षा (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022 (मा0 राज्यपाल की अनुमति की सूचना) ...	56
उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा विधेयक, 2022 (मा0 राज्यपाल की अनुमति की सूचना) ...	56
उत्तर प्रदेश श्री नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद् विधेयक, 2022 (मा0 राज्यपाल की अनुमति की सूचना) ...	56-57
उत्तर प्रदेश निरसन विधेयक, 2022 (मा0 राज्यपाल की अनुमति की सूचना) ...	57
कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत) ...	57-59

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची

1. अंकित भारती, श्री — गाजीपुर
2. अंकुर तिवारी, श्री — सन्त कबीरनगर
3. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
4. अखिलेश यादव, श्री — मैनपुरी
5. अजय, श्री — गोण्डा
6. अजय कुमार, श्री — बागपत
7. अजय सिंह, श्री — बस्ती
8. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
9. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
10. अताउर रहमान, श्री — बरेली
11. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
12. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
13. अदिति सिंह, श्रीमती — रायबरेली
14. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
15. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
16. अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
17. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — सन्त कबीरनगर
18. अनिल कुमार मौर्य, डॉ0 — सोनभद्र
19. अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
20. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
21. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
22. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
23. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
24. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
25. अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री — अलीगढ़
26. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
27. अब्बास अंसारी, श्री — मऊ
28. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
29. अभिजीत सिंह 'साँगा', श्री — कानपुर नगर
30. अमन गिरि, श्री — लखीमपुर खीरी
31. अमरेश कुमार, श्री — लखनऊ
32. अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
33. अमित सिंह चौहान, डा0 — अयोध्या
34. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
35. अरमान खान, श्री — लखनऊ
36. अरुण कुमार, डॉ0 — बरेली
37. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
38. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
39. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
40. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
41. अविनाश चन्द्र द्विवेदी, श्री — चित्रकूट
42. अशरफ अली खान, श्री — शामली
43. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
44. अशोक कुमार राणा, श्री — बिजनौर
45. असीम अरुण, श्री — कन्नौज
46. असीम कुमार, श्री — कुशीनगर
47. आकाश सक्सेना (हन्नी), श्री — रामपुर
48. आदित्यनाथ योगी, श्री — गोरखपुर
49. आनन्द कुमार यादव, श्री — बहराइच
50. आर0 के0 पटेल, डॉ0 — जौनपुर
51. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़

52. आलमबदी, श्री आजमगढ़
53. आशा मौर्य, श्रीमती सीतापुर
54. आशीष कुमार सिंह 'आशू', श्री हरदोई
55. आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी', श्री लखनऊ
56. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री बदायूं
57. आशुतोष शुक्ल, श्री उन्नाव
58. आशु मलिक, श्री सहारनपुर
59. इकबाल महमूद, श्री सम्भल
60. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
61. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
62. इरफान सोलंकी, हाजी कानपुर नगर
63. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
64. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
65. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
66. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
67. एम0पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
68. ओमकुमार, श्री बिजनौर
69. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
70. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
71. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
72. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
73. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
74. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
75. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
76. किरत सिंह, श्री सहारनपुर
77. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
78. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
79. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
80. कैलाश, श्री चन्दौली
81. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
82. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
83. गणेश चन्द्र, श्री सन्त कबीरनगर
84. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
85. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
86. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
87. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
88. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
89. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
90. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
91. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
92. चंदन चौहान, श्री मुजफ्फरनगर
93. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
94. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
95. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
96. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
97. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
98. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
99. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
100. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
101. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
102. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
103. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
104. जयमंगल, श्री महराजगंज
105. जयवीर सिंह, श्री मैनपुरी
106. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
107. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी

108. जाहीद, श्री भदोही
109. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
110. जियाऊर्रहमान, श्री मुरादाबाद
111. जी एस धर्मेश, डॉ0 आगरा
112. जीत लाल पटेल, श्री प्रतापगढ़
113. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
114. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
115. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
116. डी0सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
117. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
118. तुफानी सरोज, श्री जौनपुर
119. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
120. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
121. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
122. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
123. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
124. दिनेश कुमार, श्री मेरठ
125. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
126. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
127. दीपक कुमार मिश्र ''शाका'',श्री देवरिया
128. दुधराम, श्री बस्ती
129. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
130. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
131. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
132. देवेन्द्र सिंह, श्री कासगंज
133. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर
134. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
135. धर्मपाल सिंह, डॉ0 आगरा
136. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
137. धर्मेश सिंह तोमर, श्री हापुड़
138. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
139. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
140. नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', श्री प्रयागराज
141. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
142. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
143. नसीर अहमद खां, श्री रामपुर
144. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
145. नादिरा सुल्तान उर्फ बिटिया, श्रीमती कासगंज
146. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
147. नाहिद हसन, श्री शामली
148. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
149. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
150. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
151. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
152. नील रतन सिंह, श्री वाराणसी
153. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
154. पंकज, श्री जौनपुर
155. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
156. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
157. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
158. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
159. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
160. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
161. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
162. पीयूष रंजन निषाद, श्री प्रयागराज
163. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा

164. पूजा, श्रीमती आजमगढ़
165. पूजा पाल, श्रीमती कौशाम्बी
166. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
167. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
168. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
169. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
170. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
171. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
172. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
173. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
174. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
175. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
176. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
177. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
178. प्रवीण पटेल, श्री प्रयागराज
179. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
180. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
181. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
182. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
183. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
184. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
185. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
186. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
187. बाबूराम, श्री पीलीभीत
188. बाबूलाल, श्री आगरा
189. बावन सिंह, श्री गोण्डा
190. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
191. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
192. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
193. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
194. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
195. बेदी, श्री गाजीपुर
196. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
197. ब्रजभूषण राजपूत, श्री महोबा
198. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
199. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
200. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
201. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
202. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
203. मदन भैया, श्री मुजफ्फरनगर
204. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
205. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
206. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री कुशीनगर
207. मनीष रावत, श्री सीतापुर
208. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर
209. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
210. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
211. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 हमीरपुर
212. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
213. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
214. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री अमेठी
215. महबूब अली, श्री अमरोहा
216. महाराजी प्रजापति, श्रीमती अमेठी
217. महेन्द्र, श्री अमरोहा
218. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
219. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
220. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
221. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
222. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
223. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरदोई

224. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
225. मारिया अली, श्रीमती बहराइच
226. मीनाक्षी सिंह, श्रीमती बुलन्दशहर
227. मुकेश चौधरी, श्री सहारनपुर
228. मुकेश चन्द्र वर्मा, डा0 फिरोजाबाद
229. मुक्ता संजीव राजा, श्रीमती अलीगढ़
230. मूल चन्द्र सिंह, श्री जालौन
231. मेघश्याम, श्री मथुरा
232. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
233. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर
234. मोहम्मद हसन 'रूमी', श्री कानपुर नगर
235. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री कानपुर नगर
236. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री मुरादाबाद
237. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
238. योगेश धामा, श्री बागपत
239. योगेश वर्मा, श्री खीरी
240. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
241. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
242. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
243. रत्नाकर मिश्रा, श्री मिर्जापुर
244. रफीक अंसारी, श्री मेरठ
245. रमाकांत यादव, श्री आजमगढ़
246. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
247. रमा शंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
248. रमेश, श्री जौनपुर
249. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
250. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली
251. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
252. रवि शर्मा, श्री झांसी
253. रवीन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
254. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
255. रश्मि आर्य, डॉ0 झांसी
256. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
257. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
258. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
259. राकेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकरनगर
260. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
261. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
262. रागिनी, डॉ0 जौनपुर
263. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
264. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
265. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
266. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
267. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
268. राजबाला सिंह, श्रीमती रामपुर
269. राजमणि, श्री प्रयागराज
270. राजीव कुमार, श्री अमरोहा
271. राजीव गुम्बर, श्री सहारनपुर
272. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
273. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी
274. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
275. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
276. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
277. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
278. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
279. राजेश चौधरी, श्री मथुरा

280. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
281. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
282. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
283. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
284. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
285. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
286. रामकेश निषाद, श्री बांदा
287. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
288. रामचन्द्र यादव, श्री अयोध्या
289. रामदुलार, श्री सोनभद्र
290. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
291. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
292. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
293. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
294. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
295. राम बिलाश चौहान, श्री मऊ
296. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
297. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
298. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
299. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
300. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
301. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
302. लकी यादव, श्री जौनपुर
303. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
304. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
305. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
306. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
307. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
308. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
309. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
310. विजयपाल (आढती), श्री हापुड़
311. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
312. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
313. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
314. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
315. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
316. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
317. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
318. विनोद सिंह, श्री सुल्तानपुर
319. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
320. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
321. विपुल दुबे, श्री भदोही
322. विमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
323. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
324. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
325. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
326. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
327. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
328. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
329. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
330. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
331. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
332. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
333. शशांक वर्मा, श्री खीरी
334. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
335. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
336. शिव प्रताप यादव, डॉ0 बलरामपुर
337. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा

338. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
339. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
340. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
341. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
342. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
343. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
344. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर
345. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
346. संग्राम सिंह, श्री बलिया
347. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलन्दशहर
348. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
349. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली
350. संजीव कुमार गोंड, श्री सोनभद्र
351. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
352. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
353. संदीप सिंह, श्री प्रयागराज
354. सचिन यादव, श्री फिरोजाबाद
355. सतीश चन्द्र शर्मा, श्री बाराबंकी
356. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
357. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
358. सभाकुंवर, श्री देवरिया
359. समरपाल सिंह, श्री अमरोहा
360. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 गोरखपुर
361. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
362. सरोज कुरील, श्रीमती कानपुर नगर
363. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
364. सर्वेश सिंह, श्री फिरोजाबाद
365. सलोना कुशवाहा, श्रीमती शाहजहांपुर
366. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
367. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री प्रयागराज
368. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
369. सुचि, श्रीमती बिजनौर
370. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
371. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
372. सुनील पटेल, डॉ0 वाराणसी
373. सुभाष त्रिपाठी, श्री बहराइच
374. सुरभी, डॉ0 फर्रुखाबाद
375. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री कुशीनगर
376. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री देवरिया
377. सुरेन्द्र मैथानी, श्री कानपुर नगर
378. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
379. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
380. सुरेश राही, श्री सीतापुर
381. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
382. सुशांत सिंह, कुँवर बिजनौर
383. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
384. सुशील सिंह, श्री चन्दौली
385. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री गाजीपुर
386. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
387. सैय्यदा खातून, श्रीमती सिद्धार्थनगर
388. सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0 मेरठ
389. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
390. सौरभ सिंह सोनू, श्री खीरी
391. स्वामी ओउमवेश, श्री बिजनौर
392. हंसु राम, श्री बलिया
393. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री खीरी
394. हरिओम, श्री कासगंज
395. हरिप्रकाश वर्मा, श्री शाहजहांपुर
396. हरीश चन्द्र, श्री बदायूं
397. हरेन्द्र सिंह, श्री हापुड़
398. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री प्रयागराज

399. हाकिम लाल बिन्द, श्री	प्रयागराज	402. रिक्त
400. हिमान्शु यादव, श्री	बदायूं	403. रिक्त
401. हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री	आजमगढ़	

महामहिम राज्यपाल

श्रीमती आनन्दीबेन पटेल

मंत्री-परिषद्

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	2	3
1	श्री योगी आदित्यनाथ, मुख्य मंत्री	नियुक्ति, कार्मिक, गृह, सतर्कता, आवास एवं शहरी नियोजन, राजस्व, खाद्य एवं रसद, नागरिक आपूर्ति, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, भू-तत्व एवं खनिकर्म, अर्थ एवं संख्या, राज्य कर एवं निबन्धन, सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, गोपन, सूचना, निर्वाचन, संस्थागत वित्त, नियोजन, राज्य सम्पत्ति, उ0प्र0 पुनर्गठन समन्वय, प्रशासनिक सुधार, कार्यक्रम कार्यान्वयन, अवस्थापना, भाषा, अभाव सहायता एवं पुनर्वास, लोक सेवा प्रबन्धन, किराया नियंत्रण, प्रोटोकॉल, सैनिक कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, नागरिक उड्डयन, न्याय एवं विधायी विभाग, धर्मार्थ कार्य तथा पंचायती राज विभाग।
		उप मुख्य मंत्री
1	श्री केशव प्रसाद मौर्य	ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास तथा ग्रामीण अभियंत्रण, खाद्य प्रसंस्करण, मनोरंजन कर एवं सार्वजनिक उद्यम तथा राष्ट्रीय एकीकरण।
2	श्री ब्रजेश पाठक	चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण।
		मंत्री
1	श्री सुरेश कुमार खन्ना	वित्त एवं संसदीय कार्य।
2	श्री सूर्य प्रताप शाही	कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान।
3	श्री स्वतंत्र देव सिंह	जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण।
4	श्रीमती बेबी रानी मौर्य	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार।
5	श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी	गन्ना विकास एवं चीनी मिलें।
6	श्री जयवीर सिंह	पर्यटन एवं संस्कृति।
7	श्री धर्मपाल सिंह	पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण मुस्लिम वक्फ एवं हज तथा नागरिक सुरक्षा।
8	श्री नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी''	औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 तथा निवेश प्रोत्साहन।

1	2	3
9	श्री अनिल राजभर	श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय।
10	श्री जितिन प्रसाद	लोक निर्माण।
11	श्री राकेश सचान	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग।
12	श्री अरविन्द कुमार शर्मा	नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत।
13	श्री योगेन्द्र उपाध्याय	उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी।
14	श्री आशीष पटेल	प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप।
15	श्री संजय निषाद	मत्स्य।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

1	श्री नितिन अग्रवाल	आबकारी एवं मद्य निषेध।
2	श्री कपिल देव अग्रवाल	व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास।
3	श्री रवीन्द्र जायसवाल	स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन।
4	श्री सन्दीप सिंह	बेसिक शिक्षा।
5	श्रीमती गुलाब देवी	माध्यमिक शिक्षा।
6	श्री गिरीश चन्द्र यादव	खेल एवं युवा कल्याण।
7	श्री धर्मवीर प्रजापति	कारागार एवं होमगार्ड्स।
8	श्री असीम अरूण	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण।
9	श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर	सहकारिता।
10	श्री दयाशंकर सिंह	परिवहन।
11	श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप	पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण।
12	श्री दिनेश प्रताप सिंह	उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात।
13	श्री अरूण कुमार सक्सेना	वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन।
14	श्री दयाशंकर मिश्र ''दयालु''	आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (MOS)।

राज्य मंत्री

1	श्री मयंकेश्वर शरण सिंह	संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण।
2	श्री दिनेश खटीक	जल शक्ति।

1	2	3
3	श्री संजीव गोंड	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण।
4	श्री बल्देव सिंह औलख	कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान।
5	श्री अजीत पाल	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
6	श्री जसवन्त सिंह सैनी	संसदीय कार्य तथा औद्योगिक विकास।
7	श्री रामकेश निषाद	जल शक्ति।
8	श्री मनोहर लाल मन्नु कोरी	श्रम एवं सेवायोजन।
9	श्री संजय सिंह गंगवार	गन्ना विकास एवं चीनी मिलें।
10	श्री बृजेश सिंह	लोक निर्माण।
11	श्री के0 पी0 मलिक	वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन।
12	श्री सुरेश राही	कारागार।
13	श्री सोमेन्द्र तोमर	ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा।
14	श्री अनूप प्रधान ''वाल्मीकि''	राजस्व।
15	श्रीमती प्रतिभा शुक्ला	महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार।
16	श्री राकेश राठौर गुरू	नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन।
17	श्रीमती रजनी तिवारी	उच्च शिक्षा।
18	श्री सतीश शर्मा	खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति।
19	श्री दानिश आजाद अंसारी	अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज।
20	श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम	ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास तथा ग्रामीण अभियंत्रण।

नेता, विरोधी दल

श्री अखिलेश यादव

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री सतीश महाना

उपाध्यक्ष

रिक्त

प्रमुख सचिव

श्री प्रदीप कुमार दुबे

अधिष्ठाता मण्डल (2022-2023)

1-श्री मनीष असीजा, मा0 सदस्य, विधान सभा (फिरोजाबाद),

2-श्री पंकज सिंह, मा0 सदस्य, विधान सभा (गौतमबुद्धनगर),

3-डा0 मंजू शिवाच, मा0 सदस्य, विधान सभा (गाजियाबाद),

4-श्री रवि शर्मा, मा0 सदस्य, विधान सभा (झांसी),

5-श्री ओम प्रकाश सिंह, मा0 सदस्य, विधान सभा (गाजीपुर),

6-श्री इन्दजीत सरोज, मा0 सदस्य, विधान सभा (कौशाम्बी),

7-श्री उमाशंकर सिंह, मा0 सदस्य, विधान सभा (बलिया),

8-श्री जय प्रताप सिंह, मा0 सदस्य, विधान सभा (सिद्धार्थनगर),

9-श्रीमती कृष्णा पासवान, मा0 सदस्य, विधान सभा (फतेहपुर),

10-रिक्त।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

सोमवार, दिनांक 20 फरवरी, 2023 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 12 बजकर 30 मिनट पर अध्यक्ष श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई)

उपस्थित सदस्य-373

1. अंकित भारती, श्री — गाजीपुर
2. अंकुर तिवारी, श्री — सन्त कबीरनगर
3. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
4. अखिलेश यादव, श्री — मैनपुरी
5. अजय, श्री — गोण्डा
6. अजय सिंह, श्री — बस्ती
7. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
8. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
9. अताउर रहमान, श्री — बरेली
10. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
11. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
12. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
13. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
14. अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
15. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — सन्त कबीरनगर
16. अनिल कुमार मौर्य, डॉ0 — सोनभद्र
17. अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
18. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
19. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
20. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
21. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
22. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
23. अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री — अलीगढ़
24. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
25. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
26. अभिजीत सिंह 'साँगा', श्री — कानपुर नगर
27. अमन गिरि, श्री — लखीमपुर खीरी
28. अमित सिंह चौहान, डा0 — अयोध्या
29. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
30. अरमान खान, श्री — लखनऊ
31. अरुण कुमार, डॉ0 — बरेली
32. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
33. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
34. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
35. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
36. अशरफ अली खान, श्री — शामली
37. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
38. अशोक कुमार राणा, श्री — बिजनौर
39. असीम अरुण, श्री — कन्नौज
40. असीम कुमार, श्री — कुशीनगर
41. आकाश सक्सेना (हनी), श्री — रामपुर
42. आदित्यनाथ योगी, श्री — गोरखपुर

43. आनन्द कुमार यादव, श्री बहराइच
44. आर0 के0 पटेल, डॉ0 जौनपुर
45. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती प्रतापगढ़
46. आशा मौर्य, श्रीमती सीतापुर
47. आशीष कुमार सिंह 'आशू', श्री हरदोई
48. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री बदायूं
49. आशुतोष शुक्ल, श्री उन्नाव
50. आशु मलिक, श्री सहारनपुर
51. इकबाल महमूद, श्री सम्भल
52. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
53. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
54. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
55. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
56. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
57. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
58. एम0पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
59. ओमकुमार, श्री बिजनौर
60. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
61. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
62. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
63. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
64. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
65. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
66. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
67. किरत सिंह, श्री सहारनपुर
68. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
69. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
70. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
71. कैलाश, श्री चन्दौली
72. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
73. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
74. गणेश चन्द्र, श्री सन्त कबीरनगर
75. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
76. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
77. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
78. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
79. गुलाब देबी, श्रीमती सम्भल
80. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
81. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
82. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
83. चंदन चौहान, श्री मुजफ्फरनगर
84. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
85. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
86. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
87. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
88. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
89. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
90. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
91. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
92. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
93. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
94. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
95. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
96. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
97. जाहीद, श्री भदोही
98. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
99. जियाऊर्रहमान, श्री मुरादाबाद

100. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
101. जीत लाल पटेल, श्री प्रतापगढ़
102. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
103. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
104. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
105. डी0सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
106. तुफानी सरोज, श्री जौनपुर
107. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
108. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
109. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
110. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
111. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
112. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
113. दीपक कुमार मिश्र ''शाका'',श्री देवरिया
114. दुधराम, श्री बस्ती
115. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
116. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
117. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
118. देवेन्द्र सिंह, श्री कासगंज
119. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर
120. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
121. धर्मपाल सिंह, डॉ0 आगरा
122. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
123. धर्मेश सिंह तोमर, श्री हापुड़
124. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
125. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
126. नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', श्री प्रयागराज
127. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
128. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
129. नसीर अहमद खां, श्री रामपुर
130. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
131. नादिरा सुल्तान उर्फ बिटिया, श्रीमती कासगंज
132. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
133. नाहिद हसन, श्री शामली
134. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
135. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
136. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
137. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
138. नील रतन सिंह, श्री वाराणसी
139. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
140. पंकज, श्री जौनपुर
141. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
142. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
143. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
144. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
145. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
146. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
147. पीयूष रंजन निषाद, श्री प्रयागराज
148. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
149. पूजा, श्रीमती आजमगढ़
150. पूजा पाल, श्रीमती कौशाम्बी
151. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
152. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
153. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
154. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
155. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा

156. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
157. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
158. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
159. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
160. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
161. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
162. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
163. प्रवीण पटेल, श्री प्रयागराज
164. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
165. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
166. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
167. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
168. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
169. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
170. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
171. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
172. बाबूराम, श्री पीलीभीत
173. बाबूलाल, श्री आगरा
174. बावन सिंह, श्री गोण्डा
175. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
176. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
177. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
178. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
179. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
180. बेदी, श्री गाजीपुर
181. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
182. ब्रजभूषण राजपूत, श्री महोबा
183. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
184. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
185. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
186. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
187. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
188. मदन भैया, श्री मुजफ्फरनगर
189. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
190. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
191. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री कुशीनगर
192. मनीष रावत, श्री सीतापुर
193. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर
194. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
195. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
196. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 हमीरपुर
197. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
198. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
199. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री अमेठी
200. महाराजी प्रजापति, श्रीमती अमेठी
201. महेन्द्र, श्री अमरोहा
202. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
203. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
204. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
205. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
206. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरदोई
207. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
208. मारिया अली, श्रीमती बहराइच
209. मीनाक्षी सिंह, श्रीमती बुलन्दशहर
210. मुकेश चौधरी, श्री सहारनपुर
211. मुकेश चन्द्र वर्मा, डा0 फिरोजाबाद
212. मूल चन्द्र सिंह, श्री जालौन
213. मेघश्याम, श्री मथुरा
214. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
215. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर

216. मोहम्मद हसन 'रूमी', श्री कानपुर नगर
217. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री कानपुर नगर
218. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री मुरादाबाद
219. योगेश धामा, श्री बागपत
220. योगेश वर्मा, श्री खीरी
221. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
222. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
223. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
224. रत्नाकर मिश्रा, श्री मिर्जापुर
225. रफीक अंसारी, श्री मेरठ
226. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
227. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
228. रमेश, श्री जौनपुर
229. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
230. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली
231. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
232. रवि शर्मा, श्री झांसी
233. रवीन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
234. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
235. रश्मि आर्य, डॉ0 झांसी
236. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
237. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
238. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
239. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
240. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
241. रागिनी, डॉ0 जौनपुर
242. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
243. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
244. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
245. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
246. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
247. राजबाला सिंह, श्रीमती रामपुर
248. राजमणि, श्री प्रयागराज
249. राजीव कुमार, श्री अमरोहा
250. राजीव गुम्बर, श्री सहारनपुर
251. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
252. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी
253. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
254. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
255. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
256. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
257. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
258. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
259. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
260. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
261. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
262. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
263. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
264. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
265. रामकेश निषाद, श्री बांदा
266. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
267. रामचन्द्र यादव, श्री अयोध्या
268. रामदुलार, श्री सोनभद्र
269. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
270. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
271. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
272. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर

273. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
274. राम बिलाश चौहान, श्री मऊ
275. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
276. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
277. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
278. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
279. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
280. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
281. लकी यादव, श्री जौनपुर
282. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
283. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
284. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
285. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
286. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
287. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
288. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
289. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
290. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
291. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
292. विनोद सिंह, श्री सुल्तानपुर
293. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
294. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
295. विपुल दुबे, श्री भदोही
296. बिमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
297. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
298. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
299. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
300. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
301. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
302. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
303. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
304. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
305. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
306. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
307. शशांक वर्मा, श्री खीरी
308. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
309. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
310. शिव प्रताप यादव, डॉ0 बलरामपुर
311. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
312. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
313. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
314. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
315. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
316. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
317. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
318. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर
319. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
320. संग्राम सिंह, श्री बलिया
321. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलंदशहर
322. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
323. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली
324. संजीव कुमार गोंड, श्री सोनभद्र
325. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
326. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
327. संदीप सिंह, श्री प्रयागराज
328. सचिन यादव, श्री फिरोजाबाद
329. सतीश चन्द्र शर्मा, श्री बाराबंकी
330. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
331. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज

332. सभाकुंवर, श्री देवरिया
333. समरपाल सिंह, श्री अमरोहा
334. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 गोरखपुर
335. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
336. सरोज कुरील, श्रीमती कानपुर नगर
337. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
338. सर्वेश सिंह, श्री फिरोजाबाद
339. सलोना कुशवाहा, श्रीमती शाहजहांपुर
340. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
341. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री प्रयागराज
342. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
343. सुचि, श्रीमती बिजनौर
344. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
345. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
346. सुनील पटेल, डॉ0 वाराणसी
347. सुभाष त्रिपाठी, श्री बहराइच
348. सुरभी, डॉ0 फर्रुखाबाद
349. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री कुशीनगर
350. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री देवरिया
351. सुरेन्द्र मैथानी, श्री कानपुर नगर
352. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
353. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
354. सुरेश राही, श्री सीतापुर
355. सुशांत सिंह, कुँवर बिजनौर
356. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
357. सुशील सिंह, श्री चंदौली
358. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री गाजीपुर
359. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
360. सैय्यदा खातून, श्रीमती सिद्धार्थनगर
361. सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0 मेरठ
362. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
363. सौरभ सिंह सोनू, श्री खीरी
364. स्वामी ओउ्मवेश, श्री बिजनौर
365. हंसु राम, श्री बलिया
366. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री खीरी
367. हरिओम, श्री कासगंज
368. हरिप्रकाश वर्मा, श्री शाहजहांपुर
369. हरीश चन्द्र, श्री बदायूं
370. हरेन्द्र सिंह, श्री हापुड़
371. हाकिम लाल बिन्द, श्री प्रयागराज
372. हिमान्शु यादव, श्री बदायूं
373. हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री आजमगढ़

नोट :–ऊर्जा मंत्री (श्री अरविन्द कुमार शर्मा), प्राविधिक शिक्षा मंत्री (श्री अशीष पटेल), उप मुख्य मंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य), मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद), लोक निर्माण मंत्री (श्री जितिन प्रसाद), जल शक्ति मंत्री (श्री स्वतंत्र देव सिंह), आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री दयाशंकर मिश्रा 'दयालु'), अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (श्री दानिश आजाद अंसारी), कारागार एवं होमगार्ड राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री धर्मवीर प्रजापति), सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर) तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री नरेन्द्र कश्यप) भी सदन में उपस्थित थे।

[12:30] राष्ट्रीय गीत

श्री अध्यक्ष-

सभी माननीय सदस्य वन्दे मातरम के लिये खड़े होंगे।

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्।।

सुजलाम्।

सुफलाम्।

मलयज शीतलाम्।

शस्य श्यामलाम्।

मातरम्। वन्दे मातरम्।।

शुभ्र-ज्योत्सना-पुलकित-यामिनीम्

फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्

सुहासिनीम्

सुमधुर भाषिणीम्

सुखदाम्

वरदाम्

मातरम्। वन्दे मातरम्।।

श्री अध्यक्ष-

कृपया स्थान ग्रहण करें।

[12:31] श्री राज्यपाल के अभिभाषण का श्री अध्यक्ष द्वारा आंशिक पाठ

महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन जी पटेल का अभिभाषण जो उनके द्वारा आज समवेत् सदन में दिया गया, मैं उसको सदन के समक्ष पढ़कर सुनाऊंगा। 'माननीय सदस्यगण, उत्तर प्रदेश विधान मण्डल के वर्ष 2023 के प्रथम सत्र हेतु दोनों सदनों के लिये आहूत समवेत् उपवेशन में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। आप सभी को नव वर्ष की शुभकामनायें देते हुए, मैं यह कामना करती हूं।'

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, इसको पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जायेगा।

[कि नव वर्ष आपके व समस्त प्रदेशवासियों के लिये सुख-शान्ति, समृद्धि व सम्पन्नता से परिपूर्ण हो।

हमारे लिये यह अत्यन्त दुःखद है कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव, विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी तथा विधान सभा के सदस्य श्री राहुल प्रकाश कोल हमारे बीच नहीं रहे। मैं इनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

मेरी सरकार जन आकांक्षाओं की पूर्ति ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' के लक्ष्य को सामने रखते हुए सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिये कृतसंकल्पित है। सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति के साथ शान्ति एवं सद्भाव का वातावरण सुनिश्चत किया जा रहा है। समाज के सभी वर्गों के हित तथा राज्य के समग्र विकास के लिये विभिन्न योजनाएं एवं कल्याणकारी कार्यक्रम भी संचालित किये जा रहे हैं।

मेरी सरकार जन समस्याओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिये संवेदनशील है। इस उद्देश्य से तहसील स्तर पर 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' तथा थाना स्तर पर आयोजित किये जा रहे 'थाना दिवस' में शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। आई0जी0आर0एस0 प्रणाली व सी0एम0 हेल्पलाइन पर प्राप्त लगभग 3.97 करोड़ सन्दर्भों में से 3.93 करोड़ से अधिक का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराया गया है।

अमृत काल के प्रथम वर्ष में भारत द्वारा दिनांक 01 दिसम्बर, 2022 से 30 नवम्बर, 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता किया जाना सौभाग्यपूर्ण व अभूतपूर्व अवसर है। इसके अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में होने वाली 200 से अधिक बैठकों में से 11 बैठकों का आयोजन उत्तर प्रदेश के 04 जनपदों लखनऊ, आगरा, वाराणसी एवं गौतमबुद्धनगर में किया जायेगा। उत्तर प्रदेश के लिये जी-20 सम्मेलन की बैठकों की मेजबानी प्रदेश के विकास, बुनियादी ढांचे तथा संस्कृति और विरासत को वैश्विक समुदाय के सम्मुख प्रदर्शित करने का एक वृहद् एवं व्यापक अवसर होगा।

भारत के विकास का इंजन उत्तर प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, प्रदेश राष्ट्रीय सकल उत्पाद में 08 प्रतिशत से अधिक का योगदान करता है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को 05 ट्रिलियन डालर बनाये जाने का संकल्प लिया गया है। इसके दृष्टिगत वर्ष 2022-2027 की अवधि में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मेरी सरकार नियोजित प्रयास कर रही है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

सरकार ने बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान के अन्तर्गत 600 से अधिक सुधार लागू किये हैं। सिंगल विण्डो पोर्टल निवेश मित्र के माध्यम से उद्यमियों को 400 से अधिक ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। निवेशकों के सहायतार्थ एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया के लिये ऑनलाइन निवेशक प्रबन्धन पोर्टल 'निवेश सारथी' विकसित किया गया है। ईज आफ डूईंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश अचीवर्स श्रेणी में है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अपना पहला इन्वेस्टर्स समिट माह फरवरी, 2018 में आयोजित किया था, जिसमें प्राप्त निवेश के प्रस्तावों को 3 ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी के आयोजन के साथ जमीन पर उतारते हुए लगभग 4 लाख करोड़ से अधिक का निवेश हो चुका है तथा अधिकांश इकाइयों में उत्पादन आरम्भ हो चुका है।

प्रदेश के समग्र विकास हेतु यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में भागीदारी के लिये विभिन्न देशों से सम्पर्क किया गया तथा निवेश प्रोत्साहन हेतु विभिन्न देशों के 21 शहरों तथा देश के प्रमुख नगरों-मुम्बई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चंडीगढ़ आदि में रोड-शो आयोजित करके प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित किया गया। नीदरलैण्ड्स, डेनमार्क, सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, आस्ट्रेलिया, इटली, संयुक्त अरब अमीरात, युनाइटेड किंगडम और मारीशस द्वारा इस आयोजन में पार्टनर कण्ट्री के रूप में सहभागिता की गई। दुनिया के 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने इसमें शामिल होकर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को ''निवेश के महाकुम्भ'' का स्वरूप प्रदान किया।

वैश्विक व्यापारिक समुदाय से उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुई उत्साहजनक प्रतिक्रिया के फलस्वरूप 33 लाख 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कुल 19,058 निवेश-आशय प्राप्त हुए हैं, जिनमें 94 लाख से अधिक रोजगार के अवसरों के सृजन की सम्भावना है।

मेरी सरकार द्वारा किये गये प्रभावी प्रयासों के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश केन्द्र सरकार द्वारा संचालित अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी स्थान पर है-

- प्रधानमंत्री जनधन योजना के अन्तर्गत प्रदेश 8.51 करोड़ खातों के साथ देश में प्रथम स्थान पर है।
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत 4.29 करोड़ नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।
- अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत 75 लाख नामांकन के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।
- प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अन्तर्गत शहरी पथ विक्रेताओं को रु0 10 हजार, 20 हजार एवं 50 हजार क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय ब्याज अनुदान आधारित ऋण

बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजनान्तर्गत कुल ऋण वितरण में प्रदेश को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

- प्रदेश में निर्गत जी0एस0टी0 पंजीयन की कुल संख्या 28.03 लाख हो गई है जोकि देश में सर्वाधिक है।
- मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2022-2023 में प्रदेश में अब तक 26.29 करोड़ मानव दिवस सृजित कर प्रदेश द्वारा देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है।
- महिलाओं के प्रति अपराध एवं बाल अपराध (पोक्सो ऐक्ट) सम्बन्धी गम्भीर मुकदमों हेतु विशेष न्यायालयों में विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति करके प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जा रही है जिससे महिलाओं के प्रति अपराध में 59.1 प्रतिशत सजा की दर प्राप्त की गई है जोकि देश में सर्वाधिक एवं राष्ट्रीय औसत के दोगुने से भी अधिक है।
- तृतीय राष्ट्रीय जल पुरस्कार में उत्तर प्रदेश को पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त है।
- उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक राज्य है, जिसका देश में सकल दुग्ध उत्पादन में योगदान लगभग 16 प्रतिशत है।
- उत्तर प्रदेश खाद्यान्न, गन्ना, आलू, सब्जियों, फलों व एथेलॉल के उत्पादन में भी देश में प्रथम स्थान पर है।
- प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत कुल 52.77 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं तथा गरीबों के लिये आवास बनाने में प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है, उल्लेखनीय है कि इनमें से 39.66 लाख आवास पूर्ण भी हो चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास निर्माण की संख्या एवं ग्रामीण आवास निर्माण की उत्कृष्टता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
- स्वस्थ्य सुविधाओं को जनसामान्य विशेषकर समाज के अन्तिम पायदान तक पहुंचने के उद्देश्य से मेरी सरकार दिनांक 02 फरवरी, 2020 से प्रत्येक सप्ताह प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्य मंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले आयोजित कर रही है। इस प्रकार की पहल करने वाला उत्तर प्रदेश देश में पहला राज्य है। अब तक कुल 83 मुख्य मंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले आयोजित हुए, जिनमें कुल 11.69 करोड़ रोगी लाभान्वित हुए हैं तथा 1,98,594 गम्भीर रोगियों को उच्च केन्द्रों पर सन्दर्भित किया गया।
- वर्ष 2018 में इकोसिस्टम इण्डिया एस0एम0 फोरम द्वारा एस0एस0एम0ई0 में ईज आफ डूइंग बिजनेस में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

- उत्तर प्रदेश को वर्ष 2018 में राष्ट्रीय कामधेनु अवार्ड प्रदान किया गया है।
- वर्ष 2018 में वन स्टाप सेन्टर लखनऊ को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- एसोचैम, नई दिल्ली द्वारा प्रदेश को बेस्ट स्टेट इन स्किल डेवलपमेंट की 'गोल्ड मेडल ट्राफी' प्रदान की गई है।
- स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2018 सर्वाधिक फीड बैक स्टेट अवार्ड पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है।
- वर्ष 2018-2019 में दिव्यांगजन के हितार्थ कार्य हेतु लखनऊ को सर्वश्रेष्ठ जनपद पुरस्कार प्रदान किया गया।
- सहकारिता विभाग को स्काच आर्डर आफ मेरिट गोल्ड अवार्ड प्रदान किया गया है।
- ग्राम्य विकास विभाग को कन्वर्जेस में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है।
- उत्तर प्रदेश पुलिस को यू0पी0 102 परियोजना-पुलिस आपालकालीन प्रबन्धन प्रणाली पहल के लिये विशेष जूरी पुरस्कार प्रदान किया गया।
- नई दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदेश की ओर से प्रदर्शित की जाने वाली झांकी को वर्ष 2021, 2022 में प्रथम एवं वर्ष 2023 में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुए।
- इसके अतिरिक्त महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना हेतु प्रदेश को कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 2019-2020 में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदेश स्तरीय जियो मनरेगा को प्रथम स्थान प्रदान किया गया है।
- वर्ष 2020-2021 में जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मनरेगा योजनान्तर्गत नदियों के पुनरुद्धार हेतु जल संचयन व संरक्षण में प्रदेश के कई जनपदों को प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्रदान किया गया है।

- प्रदेश में त्वरित परिवहन के दृष्टिगत उ0प्र0 एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के तत्वावधान में कई एक्सप्रेस-वेज का निर्माण किया जा रहा है जिससे एक्सप्रेस-वेज के दोनों ओर प्रदेश के आर्थिक विकास में सहायक औद्योगिक/ व्यावसायिक गतिविधियां तेज होंगी।
- पूर्वांचल के पिछड़े जनपदों के समग्र विकास हेतु जनपद लखनऊ से गाजीपुर तक 340.82 कि0मी0 लम्बे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र के समग्र विकास

हेतु जनपद चित्रकूट से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे तक 296.07 कि0मी0 लम्बे बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है जिनको माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया जा चुका है।

- जनपद गोरखपुर से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तक 91.35 कि0मी0 लम्बे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे तथा जनपद मेरठ से प्रयागराज तक 594 कि0मी0 लम्बे गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य गतिमान है।
- उत्तर प्रदेश डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर के अन्तर्गत अलीगढ़, आगरा, झांसी, चित्रकूट, कानपुर एवं लखनऊ नोड्स में रक्षा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है।
- यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर-21 में लगभग 1,000 एकड़ भूमि पर फिल्म सिटी का निर्माण प्रक्रियाधीन है, जिससे रु0 10 हजार करोड़ से अधिक के निवेश की सम्भावना है।
- लोक निर्माण विभाग में टेण्डर प्रक्रिया को और अधिक प्रतिस्पर्धी एवं पारदर्शी बनाये जाने के उद्देश्य से ''चाणक्य'', ''विश्वकर्मा'' एवं ''प्रहरी'' आनलाइन पोर्टल लागू किये गये हैं।
- मेरी सरकार द्वारा वर्ष 2017 से अब तक 118 ब्लाक मुख्यालयों तथा 26 तहसील मुख्यालयों को 2-2 लेन के सम्पर्क मार्गों से जोड़ा जा चुका है। इसके अतिरिक्त 07 अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के तथा 68 अन्तर्राज्यीय मार्गों को 02 लेन में चौड़ा किया गया है। सभी जिला मुख्यालयों को 04 लेन के सम्पर्क मार्गों तथा तहसील व ब्लाक मुख्यालय को 02 लेन के सम्पर्क मार्ग से जोड़ने का कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त 21,696 कि0मी0 लम्बाई में ग्रामीण मार्गों का निर्माण एवं 18,407 कि0मी0 लम्बाई में मार्गों का चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य किया गया है। प्रतिदिन 09 कि0मी0 के औसत से चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण तथा 10 कि0मी0 प्रतिदिन के औसत से नये मार्गों का निर्माण किया जा रहा है। वर्ष 2012 से 2017 के मध्य प्रतिवर्ष 3,066 कि0मी0 के सापेक्ष वर्ष 2017 से अब तक प्रतिवर्ष 3,773 कि0मी0 ग्रामीण मार्गों का निर्माण किया जा रहा है। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 100 से अधिक आबादी के समस्त राजस्व मार्गों/बसावटों को भविष्य में पक्के सम्पर्क मार्ग से जोड़ने की ओर अग्रसर है।
- 188 दीर्घ सेतु पहुंच मार्ग सहित 574 लघु सेतु एवं 74 रेल उपरिगामी सेतुओं का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। 291 दीर्घ सेतु, 760 लघु सेतु एवं 140 रेल

उपरिगामी सेतु, कुल 1191 सेतु निर्माणाधीन हैं। औसतन प्रत्येक 03, दिन में एक सेतु का निर्माण पूण किया जा रहा है। वर्ष 2012 से 2017 के मध्य प्रतिवर्ष 118 के सापेक्ष वर्ष 2017 से अब तक प्रतिवर्ष 145 सेतुओं का निर्माण किया जा रहा है। 01 लाख से अधिक टी0वी0यू0 वाले सभी लेवल क्रासिंग पर भविष्य में आर0ओ0बी0 का निर्माण प्रस्तावित है।

- वर्ष 2017 तक प्रदेश में 02 एयरपोर्ट पूर्ण रूप से तथा 02 एयरपोर्ट आंशिक रूप से क्रियाशील थे वहीं अब 09 एयरपोर्ट पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं। 10 एयरपोर्ट का कार्य चल रहा है तथा अगले कुछ वर्षों में 21 एयरपोर्ट के साथ प्रदेश, देश में सर्वाधिक एयरपोर्ट वाला राज्य हो जायेगा।
- नोएडा अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, जेवर को एक एविएशन इनोवेशन एवं रिसर्च सेन्टर के साथ ही रख-रखाव और आपरेशन (MRO) हब के रूप में विकसित करने एवं अयोध्या अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण पूर्ण करने की दिशा में प्रदेश सरकार अग्रसर है। इनके चालू होते ही उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक 5 अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य बन जायेगा।
- 16 जनपदों में ड्राइवर ट्रेनिंग एण्ड टेस्टिंग इन्स्टीट्यूट एवं रायबरेली में इन्स्टीट्यूट आफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। 23 प्रमुख बस स्टेशनों का आधुनिकीकरण कार्य पी0पी0पी0 माडल पर प्रशस्त है।
- वर्ष 2012-2017 की अवधि में ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदक को भौतिक उपस्थिति के आधार पर लाइसेंस निर्गत होते थे। वर्तमान में आधार प्रमाणीकरण के आधार पर फेसलेस लाइसेंस जारी करने की व्यवस्था लागू की गई है। भविष्य में ऑटोमेटेड टेस्टिंग प्रणाली के द्वारा सभी जनपदों में लाइसेंस निर्गत किये जाने की व्यवस्था लागू की जायेगी।
- ईज़ आफ डूईंग बिजनेस के अन्तर्गत यू0पी0 'माइनमित्र पोर्टल' एवं 'माइनमित्र ऐप' विकसित किये गये हैं तथा अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु इन्टीग्रेटेड माईनिंग सर्विलांस सिस्टम (IMSS) विकसित किया गया है।
- उत्तर प्रदेश स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (यूपीस्वान) के अन्तर्गत उपलब्ध कराई जा रही बैण्डविड्थ का राज्य में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं/सेवाओं यथा ई-डिस्ट्रिक्ट, मनरेगा इत्यादि हेतु उपयोग किया जा रहा है।
- कॉमन सर्विस सेन्टर 3.0 योजनान्तर्गत निर्धारित लक्ष्य 1.50 लाख के सापेक्ष 1.80 लाख से अधिक जन सेवा केन्द्र राज्य में स्थापित किये जा चुके हैं जो सुदूर अंचलों में सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

- विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनार के अन्तर्गत अब तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के कुल 1,73,412 पारम्परिक कारीगरों को एक सप्ताह का स्किल प्रशिक्षण प्रदान करते हुए उन सभी को उन्नत टूलकिट वितरित किये गये हैं।
- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-2023 में 5,772 इकाइयों की स्थापना हेतु कुल 3003 लाभार्थियों को रु0 9,765.83 लाख मार्जिन मनी प्रदान करते हुए 24,024 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। भविष्य में 5,500 इकाइयों की स्थापना कराकर 52,000 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराये जाने की योजना है।
- मेरी सरकार का यह प्रयास है कि खादी एवं ग्रामोद्योग के प्रचार-प्रसार, विकास, प्रशिक्षण एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते हुए ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित किये जा सकें।
- खादी को प्रीमियम ब्राण्ड की तरह विकसित करने एवं उत्कृष्ट डिजाइन के वस्त्र तैयार करने में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, रायबरेली का भी सहयोग लिया जा रहा है, जिससे खादी को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में सहायता मिलेगी।
- उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल एण्ड गारमेन्टिंग पॉलिसी-2022 प्रख्यापित की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-2024 में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में 40 हजार रोजगार सृजन का लक्ष्य है।
- मेरी सरकार द्वारा प्रदेश में बिजली आपूर्ति में अभूतपूर्व सुधार के साथ वर्तमान में जिला मुख्यालयों पर 24 घण्टे, तहसील मुख्यालयों पर 20-22 घण्टे व गांवों में 18-20 घण्टे बिजली आपूर्ति की जा रही है।
- वर्ष 2017 से अब तक 1,21,324 मजरों का विद्युतीकरण करते हुए प्रदेश के शत-प्रतिशत मजरों को विद्युतीकृत कर दिया गया है। वर्ष 2017 से अब तक 147.90 लाख विद्युत संयोजन निर्गत किये गये हैं। प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के अन्तर्गत गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन की सुविधा दी गई है।
- मार्च, 2017 से अब तक 151 पारेषण उपकेन्द्रों एवं तत्सम्बन्धी लाइनों का निर्माण/ ऊर्जीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त कुल 732 नये 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र ऊर्जीकृत किये गये हैं तथा 1,458 उपकेन्द्रों की क्षमता बढ़ाई गई है। दिनांक 01 जनवरी, 2022 से निजी नलकूप उपभोक्ताओं के विद्युत बीजकों पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई है।

- वर्ष 2012 से 2017 के बीच 3,07,076 मिलियन यूनिट ऊर्जा उत्पादन तथा 3,22,370 मिलियन यूनिट आपूर्ति के सापेक्ष मेरी सरकार द्वारा 2017 से 31 दिसम्बर, 2022 तक 4,73,439 मिलियन यूनिट का उत्पादन करते हुए 5,36,688 मिलियन यूनिट ऊर्जा उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई गई है।
- सौर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत उत्पादन में वृद्धि किये जाने के उद्देश्य से सौर ऊर्जा नीति-2022 प्रख्यापित की गई है जिसमें आगामी 05 वर्षों में 22 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रखा गया है।
- ''उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति-2022'' के अन्तर्गत विभिन्न जैव अपशिष्टों का उपयोग करते हुए कम्प्रेस्ड बायो-गैस, बायो-कोल, बायो-डीजल/बायो-एथेनॉल प्लान्ट की स्थापना के लिये निवेश को प्रोत्साहित किया गया है।
- स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत शैक्षिक सत्र 2022-2023 में परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का नामांकन 1.92 करोड़ हो गया है, जो पिछले पांच वर्षों में लगभग 40 लाख की वृद्धि दर्शाता है। पिछले पांच वर्ष में 1.64 लाख शिक्षकों का चयन कर शिक्षकविहीन विद्यालयों में तैनाती की गई है।
- वर्ष 2018 से प्रारम्भ 'ऑपरेशन कायाकल्प' के अन्तर्गत प्रदेश के लगभग 92 प्रतिशत विद्यालयों को मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं से संतृप्त किया जा चुका है।
- समस्त छात्र-छात्राओं को निःशुल्क यूनीफार्म, स्वेटर, जूता-मोजा, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी उपलब्ध कराने हेतु रु0 1,200 प्रति छात्र की दर से धनराशि उनके अभिभावकों के खातों में डी0बी0टी0 के माध्यम से अन्तरित की जा रही है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मेरी सरकार कृत संकल्प है, बेसिक शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बुनियादी दक्षताओं के लिये निपुण भारत अभियान के तहत कार्य किया जा रहा है।
- नकलविहीन परीक्षा एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् के कार्यों में सुधार के लिये मानवीय हस्तक्षेप समाप्त कर ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाई गई है। प्रदेश में प्रथम बार क्रमांकित एवं चार रंग की उत्तर पुस्तिकाओं एवं संवेदनशील जनपदों में सिली हुई उत्तर पुस्तकाओं का प्रयोग वर्ष 2023-2024 की बोर्ड परीक्षा में किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। 'डिजिटल लिटरेसी' को बढ़ावा देने के लिये एक करोड़ से अधिक विद्यार्थियों की ई-मेल आई0डी0 सृजित की गई है।

- संस्कृत शिक्षा के सुदृढ़ीकरण एवं इसके प्रचार-प्रसार हेतु मेरी सरकार पूरे मनोयोग से कार्य कर रही है।
- वित्तीय वर्ष 2022-2023 में प्रदेश के तहसील/ब्लाक स्तर पर संचालित 120 राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क विकसित किये जाने हेतु प्रत्येक राजकीय महाविद्यालय में 05 कम्प्यूटर उपलब्ध कराये गये हैं।
- प्रदेश के 03 नये राज्य विश्वविद्यालयों राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़, मां शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय, सहारनपुर एवं महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ में अध्यापन कार्य वर्तमान सत्र से संचालित किया जा रहा है।
- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रदेश के शैक्षणिक रूप से पिछड़े न्यून सकल नामांकन वाले 26 जनपदों में मॉडल राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना की गई है।
- मेरी सरकार प्रत्येक मण्डल में राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये कृत संकल्पित है।
- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत विगत लगभग 06 वर्षों में 12.5 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, तथा 4.88 लाख से अधिक युवाओं को प्रतिष्ठित कम्पनियों में सेवायोजित कराया गया है।
- वर्ष 2017 में राजकीय, अनुदानित एवं निजी पॉलीटेक्निक में कुल प्रवेश क्षमता 1,35,713 थी। वर्ष 2022 में यह संख्या बढ़कर 2,23,779 हो गई। वर्तमान में 52 राजकीय पॉलीटेक्निक का निर्माण किया जा रहा है। राजकीय पॉलीटेक्निकों में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को इण्टरनेट के माध्यम से शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु 63 संस्थानों में स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की जा चुकी है तथा शेष संस्थाओं में स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना प्रक्रियाधीन है।
- यूराइज पोर्टल के माध्यम से पॉलीटेक्निक छात्र-छात्राओं को ई-लेक्चर, ई-कन्टेन्ट, ऑनलाइन उपस्थिति, शुल्क जमा, डिजीलाकर्स एवं परीक्षा परिणाम देखने की सुविधा प्रदान की जा रही है।
- स्नातक स्तर के निर्माणाधीन 04 इंजीनियरिंग कालेजों मिर्जापुर, प्रतापगढ़, गोण्डा तथा बस्ती में आगामी शैक्षिक सत्र से पठन-पाठन कार्य प्रारम्भ किये जाने हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उत्थान के लिये भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा पूर्वदशम् एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाएं संचालित की जा रही हैं।
- पूर्वदशम् छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग के अध्ययनरत् कक्षा 9-10 के छात्र-छात्राओं तथा दशमोत्तर कक्षाओं के छात्र-छात्राओं की दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान की जा रही है।
- समाज में वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवनयापन का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सभी जनपदों में 150 की क्षमता से एक-एक वृद्धाश्रम पी0पी0पी0 माडल पर संचालित किये जा रहे हैं।
- अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना के लिये वित्तीय वर्ष 2022-2023 में रु0 75 करोड़ की व्यवस्था की गई है।
- उभयलिंगी व्यक्तियों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा करने के प्रयोजनार्थ उनके लिये ट्रांसजेन्डर कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है।
- दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के अन्तर्गत 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को रु0 1,000 मासिक पेंशन एवं कुष्ठ रोग के कारण दिव्यांग हुए दिव्यांगजनों को कुष्ठावस्था पेंशन योजना के अन्तर्गत रु0 3,000 मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है।
- दिव्यांगजन के शिक्षण एवं पुनर्वासन हेतु प्री-प्राइमरी स्तर के विशेष विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक विशेषीकृत शिक्षा का प्रबन्धन किया गया है।
- निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत जनवरी, 2022 से पेंशन की धनराशि रु0 500 से बढ़ाकर 1,000 प्रतिमाह कर दी गई है। वर्ष 2016-2017 में निराश्रित महिला पेंशन लाभार्थियों की संख्या 17.31 लाख थी विगत पांच वर्षों में 15.31 लाख नई पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर योजना से जोड़ा गया, वर्तमान में 32.62 लाख निराश्रित महिलाओं को पेंशन दी जा रही है।
- 'उत्तर प्रदेश मुख्य मंत्री बाल सेवा योजना' के अन्तर्गत कोविड-19 संक्रमण के कारण अनाथ/प्रभावित बच्चों के भरण-पोषण, शिक्षा, चिकित्सा आदि की व्यवस्था हेतु पात्र बच्चों को रुपये 4,000/- प्रतिमाह की आर्थिक सहायता तथा कक्षा-9 या इससे ऊपर अथवा व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे 18 वर्ष तक के पात्र बच्चों को टैबलेट/लैपटाप की सुविधा भी अनुमन्य कराई जा रही है।

- मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत पात्र बालिकाओं को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने तक कुल 6 चरणों में कुल रु0 15,000 की धनराशि उनके बैंक खाते में अन्तरित किये जाने का प्राविधान है। योजनान्तर्गत अब तक कुल 14.72 लाख बालिकाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।
- उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 57 पुष्टाहार उत्पादन इकाइयों के माध्यम से लाभार्थियों को अनुपूरक पुष्टाहार दिया जा रहा है।
- प्रदेश में 04 लाख 08 हजार भूतपूर्व सैनिक एवं 68 हजार दिवंगत सैनिकों की पत्नियों की समस्याओं के निराकरण हेतु मेरी सरकार संवेदनशील एवं कृतसंकल्पित है। वर्ष 2022 में 38 पात्रों को कुल रु0 15.95 करोड़ की अनुग्रह राशि एवं प्रदेश के 20 शहीद सैनिकों के आश्रितों को सेवायोजित किया गया है।
- कारगिल युद्ध ''आपरेशन विजय'' में शहीद हुए प्रदेश के सैनिकों की वीर नारियों को रु0 7,500 एवं उनके माता-पिता को रु0 5,000 प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जा रही है।
- वर्तमान में 37 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं 1,038 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रदेश में हैं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों/पात्र आश्रितों को रु0 20,176 प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है।
- आपातकालीन अवधि में लोकतंत्र की रक्षा के लिये कारागार में निरुद्ध रहे राजनैतिक बन्दियों/लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके देहान्त के उपरान्त पात्र आश्रितों को रु0 20,000 मासिक सम्मान राशि प्रदान की जा रही है।
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) दिसम्बर, 2018 से संचालित है। वर्ष 2022-2023 में अब तक कुल 12 किश्तों में रु0 51,639.68 करोड़ की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से कृषकों के बैंक खातों में सीधे हस्तान्तरित की गई है।
- अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के दृष्टिगत 'उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम' वर्ष 2022-2023 से 2026-2027 तक संचालित किया जा रह है।
- वित्तीय वर्ष 2022-2023 में प्रदेश के 49 जनपदों में गौ-आधारित प्राकृतिक खेती का कार्य प्रारम्भ किया गया है जिसमें गंगा नदी से जुड़े जनपद सम्मिलित हैं। वर्ष 2023-2024 में 1,714 क्लस्टर (85,710 हे0 क्षेत्रफल) में गो-आधारित विषमुक्त खेती का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

- प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-2024 में 30 हजार सोलर पम्पों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- वित्तीय वर्ष 2022-2023 में लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत 825 एफ0पी0ओ0 (कृषक उत्पादक संगठन) गठित कराये गये हैं।
- आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय (कैम्पस) आजमगढ़ की स्थापना की गई है जहां पठन-पाठन का कार्य प्रारम्भ हो चुका है, जनपद गोण्डा में कृषि महाविद्यालय (कैम्पस) का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- सहकारी कृषि-निवेश योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सहकारी समितियों एवं अन्य सहकारी संस्थाओं के 8,496 बिक्री केन्द्रों के माध्यम से किसानों को सदस्य बनाकर उच्च कोटि के उर्वरक व प्रमाणित बीज उपलब्ध कराये जा रहे हैं।
- चीनी उद्योग प्रदेश का कृषि आधारित महत्वपूर्ण उद्योग होने के साथ ही प्रदेश के 46 लाख गन्ना किसानों के परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार है। वर्तमान पेराई सत्र 2022-2023 हेतु कुल गन्ना क्षेत्रफल 28.53 लाख हेक्टेयर है तथा गन्ना उत्पादन 23.48 करोड़ टन अनुमानित है। इस सत्र में 117 चीनी मिलों का संचालन हुआ है तथा अब तक 45.22 लाख गन्ना किसानों को लगभग रु0 01 लाख 96 हजार करोड़ का रिकार्ड भुगतान किया जा चुका है।
- पशुधन के सर्वांगीण विकास हेतु पशुधन बीमा के साथ-साथ नवीन पशु चिकित्सालयों का निर्माण, गौ-संरक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं अस्थाई गौ-आश्रय स्थल स्थापित किये जा रहे हैं। वर्गीकृत वीर्य के उपयोग से गौवंशीय पशुओं में दुग्ध उत्पादन हेतु व्यापक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।
- प्रदेश के समस्त जनपदों में 6570 गौ-आश्रय स्थलों की स्थापना कराई गई है तथा इनमें 10.57 लाख गौवंश संरक्षित हैं। मुख्य मंत्री सहभागिता योजना के अन्तर्गत इच्छुक लाभार्थियों को 1.60 लाख से अधिक गौवंश सुपुर्दगी में दिये गये हैं जहां प्रत्येक गोपालक को रु0 900/- प्रति गौवंश प्रतिमाह की दर से धनराशि दी जा रही है।
- पोषण मिशन के अन्तर्गत 3,533 कुपोषित परिवारों को गौवंश उपलब्ध कराये गये हैं, तथा इन परिवारों को भी रु0 900/- प्रति गौवंश प्रतिमाह की दर से धनराशि दी जा रही है।

- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2022-2023 में 16 परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।
- मुख्य मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2022-2023 में मनरेगा से सुधारे गये तालाबों में निवेश एवं मत्स्य बीज बैंकों की स्थापना का कार्य किया जा रहा है।
- मत्स्य पालन से जुड़े मछुआरा समुदाय के व्यक्तियों के सामाजिक व आर्थिक उत्थान हेतु निषादराज बोट सब्सिडी योजना संचालित की जानी प्रस्तावित है।
- 'उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन नीति-2022' के अन्तर्गत दुग्ध प्रसंस्करण वर्तमान 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।
- राजकीय पौधशालाओं एवं इजराइल तकनीक पर आधारित सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स/मिनी सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स पर गुणवत्ता युक्त रोपण सामग्री तैयार कर लागत मूल्य पर जनसाधारण को सुलभ कराई जा रही है।
- प्रदेश में सिंचाई हेतु विगत पांच वर्षों में कुल 20 परियोजनाओं को पूर्ण करके 21.42 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन किया गया जिससे प्रदेश में 44.72 लाख कृषक लाभान्वित हुए हैं।
- वित्तीय वर्ष 2022-2023 में शहजाद बांध स्प्रिंकलर सिंचाई परियोजना तथा वित्तीय वर्ष 2023-2024 में तीन परियोजनाओं-मध्य गंगा स्टेज-2, कचनौंदा बांध एवं लखेरी बांध को पूर्ण करने का लक्ष्य है।
- बाढ़ नियंत्रण के अन्तर्गत अब तक प्रदेश में कुल 22.94 लाख हे0 क्षेत्र को बाढ़ से सुरक्षित किया जा चुका है तथा वित्तीय वर्ष 2023-2024 में बाढ़ नियंत्रण एवं जलोत्सारण की 277 परियोजनाओं को पूर्ण करने का लक्ष्य है।
- विगत पांच वर्ष में 7,426 कि0मी0 की नहर पटरियों को गड्ढ़ा मुक्त/नवीनीकृत किया गया है।
- जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 'हर घर को नल से जल' की आपूर्ति हेतु वर्ष 2024 तक प्रदेश के समस्त 2.26 करोड़ घरों में गृह नल संयोजन प्रदान कर शुद्ध एवं सतत् पेय जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है इसके सापेक्ष उद्यतन 79.77 लाख परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध करा दिये गये हैं।
- नमामि गंगे परियोजना राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के अन्तर्गत राज्य में रु0 11,872.72 करोड़ लागत की 52 सीवर शोधन परियोजनायें स्वीकृत हुई हैं। इनमें 28 पूर्ण की जा

चुकी हैं, 17 पर कार्य प्रगति पर है व शेष 07 परियोजनाओं का कार्य शीघ्र ही प्रारम्भ होगा।

- खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में स्थापित 4,431 क्रय केन्द्रों के माध्यम से अद्यतन 62.66 लाख मी0 टन धान खरीद की गई है। इसके सापेक्ष रु0 12 हजार करोड़ का भुगतान किया गया, जिससे 10.30 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं।
- न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत 'श्री अन्न' की उपज को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 18 जनपदों में पहली बार 8,453 किसानों से 42,960 मी0टन बाजरा की खरीद करके लगभग रु0 91 करोड़ का भुगतान किया गया है।
- सार्वजनिक खाद्य वितरण के अन्तर्गत अन्त्योदय एवं पात्र लाभार्थी राशन कार्डों के माध्यम से मेरी सरकार द्वारा प्रतिमाह लगभग 15 करोड़ लोगों को खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 महामारी के दौरान अप्रैल, 2022 से प्रत्येक माह होने वाला खाद्यान्न वितरण भी चल रहा है।
- प्रदेश में जन-सामान्य को गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा दिया जाना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश के ग्रामीण अंचल में स्थापित चिकित्सालयों/औषधालयों में रोगियों के उपचार तथा नर्सिंग केयर हेतु विभिन्न प्रकार के आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था निरन्तर की जा रही है।
- प्रदेश के 69 जनपदों के चिकित्सालयों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।
- प्रदेश के 250 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर टेलीमेडिसिन सेवायें व 361 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर टेलीरेडियोलॉजी सेवायें संचालित की जा रही हैं।
- 'कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम' के अन्तर्गत लगभग 12.91 करोड़ टेस्ट किये गये हैं तथा 39.20 करोड़ से अधिक निःशुल्क डोज से पात्र लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया है।
- सम्पूर्ण विश्व के लिये अभी भी चुनौती बनी वैश्विक महामारी कोविड-19 को मेरी सरकार द्वारा अपने अथक प्रयासों से उत्तर प्रदेश में लगभग समाप्त कर दिया गया है।
- वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2022 में ए0ई0एस0 रोगियों की मृत्यु की संख्या में 96.5 प्रतिशत एवं जे0ई0 रोगियों की मृत्यु में 96 प्रतिशत की कमी हुई है।

- 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के अन्तर्गत प्रदेश में 2.34 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराये जा चुके हैं।
- 'पं0 दीन दयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना' के अन्तर्गत उ0प्र0 के सरकारी सेवकों एवं सेवानिवृत्त सरकारी सेवकों तथा उनके आश्रित परिजनों को आयुष्मान भारत योजना में आबद्ध चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार का प्राविधान किया गया है।
- प्रदेश के समस्त जनपदों में सघन इन्द्रधनुष 4.0 अभियान तीन चरणों (07 मार्च, 04 अप्रैल एवं 02 मई, 2022 से) में चलाया गया, जिसमें 36.82 लाख बच्चों एवं 10.31 लाख गर्भवती माताओं का टीकाकरण किया गया।
- वर्ष 2022 में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के प्रथम चरण का आयोजन प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में सफलतापूर्वक किया गया जिसमें 713.61 लाख बच्चों को लाभान्वित किया गया।
- 'एक जनपद एक मेडिकल कालेज' योजना के अन्तर्गत प्रदेश के कुल 45 जनपद मेडिकल से आच्छादित किये जा चुके हैं। 14 जनपदों में मेडिकल कालेज निर्माणाधीन हैं। असेवित 16 जनपदों में मेडिकल कालेजों की स्थापना पी0पी0पी0 मॉडल पर की जा रही है। जिसमें से 4 जनपदों में शीघ्र ही संचालित हो जायेंगे।
- सरकारी क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित मेडिकल कालेजों/चिकित्सा संस्थाओं/विश्वविद्यालयों में एम0बी0बी0एस0 सीटों की संख्या 1,990 से बढ़ाकर 3,828 एवं निजी क्षेत्र के मेडिकल कालेजों/संस्थानों में एम0बी0बी0एस0 सीटों की संख्या 2,550 से बढ़ाकर 4700 की गई है। इस प्रकार प्रदेश में एम0बी0बी0एस0 की कुल 8,528 सीटें उपलब्ध हैं।
- सरकारी क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित मेडिकल कालेजों/चिकित्सा संस्थानों/विश्वविद्यालयों में पी0जी0 सीटों की संख्या 741 से बढ़ाकर 1,441 एवं निजी क्षेत्र के मेडिकल कालेजों/संस्थानों में पी0जी0 सीटों की संख्या 480 से बढ़ाकर 1,427 की गई है। इस प्रकार वर्ष 2022-2023 में पी0जी0 की कुल 2,868 सीटें उपलब्ध हैं।
- राजकीय मेडिकल कालेजों/चिकित्सा संस्थानों/विश्वविद्यालयों में सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों (डी0एम0/एम0सी0एच0) की सीटें 120 से बढ़ाकर 180 कर दी गई है।
- वर्ष 2022 में लगभग 300 सस्थाओं में नर्सिंग/पैरामेडिकल पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुए हैं।

- प्रदेश में संचालित राजकीय एवं निजी आयुष महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र के नियमन एवं प्रवेश में एकरूपता तथा योग एवं नैचुरोपैथी में उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर स्थापित किया गया है।
- आयुष मिशन के माध्यम से जनपद अयोध्या में एक नवीन राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जनपद वाराणसी में एक नवीन होम्योपैथिक मेडिकल कालेज स्थापित किये जाने की योजना है।
- दिनांक 14 जून से 21 जून, 2022 तक प्रदेश के 75 जनपदों में अमृत योग सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के 5 करोड़ 51 लाख लोगों को योग से जोड़ा गया।
- उत्तर प्रदेश में वर्तमान में वनावरण एवं वृक्षावरण कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 9.23 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में हरीतिमा विस्तार हेतु वृहद स्तर पर 35 करोड़ वृक्षारोपण का कार्य कराया गया।
- उत्तर प्रदेश में 01 राष्ट्रीय उद्यान, 03 टाइगर रिजर्व, 26 वन्यजीव/पक्षी विहार, 03 प्राणि उद्यान एवं 01 लायन सफारी स्थापित है। वन्य जीव संरक्षण हेतु इन संरक्षित क्षेत्रों में हैबिटेट इम्प्रूवमेन्ट के कार्य कराये जा रहे हैं।
- मेरी सरकार वन्य जीवों के संरक्षण के लिये कृत संकल्पित है एवं उनके संरक्षण के लिये निम्नलिखित उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं :-
    - ❖ रानीपुर टाईगर रिजर्व एवं तराई हाथी रिजर्व का गठन।
    - ❖ अमानगढ़ टाइगर फाउण्डेशन का गठन।
    - ❖ बखीरा पक्षी बिहार एवं हैदरपुरा वेटलैण्ड की रामसर साइट के रूप में घोषणा।
    - ❖ हस्तिनापुर वन्य जीव बिहार की अन्तिम अधिसूचना।
    - ❖ कुकरैल नाइट सफारी की स्थापना का निर्णय।
- पारिस्थितिकीय पर्यटन के अन्तर्गत पर्यटन स्थलों/क्षेत्रों के विकास हेतु वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड एवं जनपद स्तर पर जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद् का गठन किया गया है।
- आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने तथा केन्द्रीत पर्यटन विकास हेतु 04 तीर्थ विकास परिषदों यथा-ब्रज तीर्थ विकास परिषद्, मथुरा, श्री विन्ध्यधाम तीर्थ विकास परिषद्,

मीरजापुर, श्री चित्रकूटधाम तीर्थ विकास परिषद्, चित्रकूट तथा श्री नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद्, सीतापुर का गठन किया गया है।

- प्रदेश में पर्यटकों को बेहतर आतिथ्य सत्कार उपलब्ध कराने एवं पर्यटन के बहुमुखी विकास हेतु उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 प्रख्यापित की गई है।
- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 में (जनवरी से अक्टूबर तक) 24.87 करोड़ से अधिक पर्यटक आये, जिनमें 4.10 लाख विदेशी पर्यटक भी सम्मिलित हैं।
- वर्ष 2022 में अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव में 15,76,955 दीप जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया गया।
- श्री काशी विश्वनाथ धाम के विस्तारीकरण/सौन्दर्यीकरण के पश्चात् वहां दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में 04 से 05 गुना वृद्धि हुई है।
- जनपद अयोध्या एवं चित्रकूट में भजन संध्या स्थल तथा गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर यात्रा भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में वेद विज्ञान केन्द्र की स्थापना का प्रथम चरण का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा द्वितीय चरण का निर्माण प्रगति पर है।
- जनपद अयोध्या में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सम्भावित वृद्धि के दृष्टिगत श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर अयोध्या धाम तक पहुंच मार्ग योजना के अन्तर्गत 03 मार्गों जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ व राम पथ के चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण तथा जनसुविधाओं के विकास सम्बन्धी कार्य कराये जा रहे हैं।
- 'आजादी का अमृत महोत्सव' तथा 'चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव' के अन्तर्गत शहीद पं0 राम प्रसाद बिस्मिल की जयन्ती पर शाहजहांपुर से गोरखपुर तक भव्य झांकी एवं यात्रा तथा काकोरी ट्रेन ऐक्शन दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का भव्यता से आयोजन किया गया।
- प्रदेश में औद्योगिक एवं रोजगारपरक माहौल बनाये जाने हेतु विभिन्न प्रकार के श्रम सुधार किये गये हैं।
- प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अन्तर्गत 6,65,977 कामगारों का पंजीकरण करके उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है।
- बाल श्रमिकों के शैक्षिक पुनर्वासन हेतु बाल श्रमिक विद्या योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 2,000 कामकाजी बच्चों/किशोर-किशोरियों को लाभान्वित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

- उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों तथा अनाथ बालक/बालिकाओं हेतु प्रदेश के समस्त मण्डलों में एक-एक अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किया जा रहा है, जिनमें शीघ्र ही शिक्षण कार्य प्रारम्भ हो जायेगा।
- श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के लिये 'उत्तर प्रदेश कामगार और श्रमिक (सेवायोजन एवं रोजगार) आयोग'' का गठन किया गया है।
- कामगारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं जनसामान्य व शासकीय विभागों को स्थानीय सेवायें उपलब्ध कराने हेतु सेवामित्र प्लेटफार्म/सेवामित्र ऐप की व्यवस्था की गई है।
- उत्तर प्रदेश जनहित गारण्टी अधिनियम-2011 की धारा-3 में उल्लिखित व्यवस्थानुसार 47 विभागों की 409 सेवायें तथा समस्त विभागों के लिये 10 सेवायें अर्थात् कुल 419 सेवायें अधिसूचित की जा चुकी हैं।
- द्वितीय फेज के अन्तर्गत 2020-2025 की अवधि में प्रदेश के समस्त ग्रामों को निर्धारित मानकों के अनुरूप ओ0डी0एफ0 प्लस बनाया जाना है।
- मेरी सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) प्रथम फेज के अन्तर्गत प्रदेश के सभी जनपदों को खुले में शौच से मुक्त कराते हुए उन्हें ओ0डी0एफ0 घोषित कराया है तथा मिशन के द्वितीय फेज के अन्तर्गत सभी ग्रामीणों को निर्धारित मानकों के अनुसार ओ0डी0एफ0+ बनाये जाने का कार्य प्रशस्त है।
- पंचायत पदाधिकारियों/सदस्यों की मृत्यु की स्थिति में उनके आश्रित परिवारों को आर्थिक सहायता हेतु 50 करोड़ रुपये के रिवॉल्विंग फण्ड की धनराशि से पंचायत कल्याण कोष का गठन किया गया है।
- अमृत-2.0 योजना प्रदेश के समस्त 756 नगरीय निकायों में रु0 25 हजार करोड़ की परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जाना है।
- 8.99 लाख से अधिक व्यक्तिगत तथा 69 हजार से अधिक सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराते हुए सभी स्थानीय निकायों को खुले में शौच से मुक्त (ओ0डी0एफ0) घोषित किया गया है।
- स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत विशेषतः महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से 189 नगरीय निकायों के 1100 ब्लॉक में सामुदायिक/सार्वजनिक/पिंक शौचालय का निर्माण कराया गया है।

- स्वच्छ सर्वेक्षण, 2022 में राज्य को 13 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।
- स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत देश के 100 शहरों में चयनित उत्तर प्रदेश के 10 शहरों में स्वच्छता, जलापूर्ति, पथ-प्रकाश, सीवरेज, स्मार्ट मार्ग इत्यादि सुविधाओं एवं वाटर बॉडीज के विकास की परियोजनाओं का विकास तेजी से हो रहा है।
- राज्य स्मार्ट सिटी योजना अन्तर्गत प्रदेश के 07 अन्य नगर निगमों को राज्य स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- फेम इण्डिया स्कीम-1 के अन्तर्गत लखनऊ शहर में 40 एवं फेम इण्डिया स्कीम-2 के अन्तर्गत प्रदेश के 14 शहरों में 740 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें संचालित हैं।
- नीति आयोग की आकांक्षी जनपद योजना की भांति प्रदेश के सबसे पिछड़े 100 नगर निकायों के आधारभूत संरचना के समग्र विकास हेतु आकांक्षी नगर योजना प्रारम्भ की जायेगी।
- प्रयागराज कुम्भ-2019 की तर्ज पर प्रयागराज महाकुम्भ-2025 का भव्य आयोजन विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ किया जायेगा।
- मेरी सरकार ने इस वर्ष जनवरी में प्रयागराज में माघ मेले का भव्यता के साथ सफल आयोजन कराया है तथा इसमें लगभग 3 करोड़ 30 लाख श्रद्धालुओं ने भाग लिया।
- प्रदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लगने वाले 14 बड़े मेलों को प्रान्तीयकृत मेला घोषित किया गया है।
- प्रदेश के शहरों को सुन्दर बनाने हेतु जनवरी, 2023 से 100 दिवसीय ''उत्तर प्रदेश वैश्विक नगर'' अभियान चलाया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री आवासीय योजना (शहरी) के अन्तर्गत वर्ष 2017 से अद्यतन उत्तर प्रदेश में 17.62 लाख मकानों की स्वीकृति प्रदान की गई एवं आवास निर्माण घटक के अन्तर्गत 12 लाख से अधिक लाभार्थियों को कुल रु0 27 हजार 748 करोड़ की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से हस्तान्तरित की गई।
- मेरी सरकार आवास एवं विकास परिषद्/विकास प्राधिकरणों के माध्यम से आवासीय सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु निरन्तर प्रयासरत हैं। आवास एवं विकास परिषद्/विकास प्राधिकरणों में नियोजन हेतु अद्यतन 4,464.00 हेक्टेयर लैण्ड बैंक उपलब्ध है।
- मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के अन्तर्गत कानपुर मेट्रो के प्राथमिक सेक्शन (आईआईटी से मोती झील, 09 कि0मी0) पर रिकार्ड 25 माह में मेट्रो सेवा का संचालन प्रारम्भ किया जा चुका है तथा आगरा मेट्रो के प्राथमिक सेक्शन का कार्य प्रगति पर है।

- आवास एवं विकास परिषद् तथा विकास प्राधिकरणों में ऑनलाईन मानचित्र स्वीकृति की व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही है।
- आकांक्षी जनपद कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित 08 जनपदों तथा चित्रकूट, बलरामपुर, बहराइच, सोनभद्र, श्रावस्ती, चन्दौली, सिद्धार्थनगर तथा फतेहपुर में मानव विकास से सम्बन्धित संकेतांकों में सुधार हेतु समेकित प्रयास किये जा रहे हैं। जनपद कार्यक्रम की भांति प्रदेश में 34 जनपदों के 100 आकांक्षात्मक विकास खण्डों का चयन करते हुए उनके सुनिश्चित विकास का कार्य प्रारम्भ हो गया है। प्रत्येक विकास खण्ड में एक-एक सी0एम0 फेलो के रूप में तैनाती की गई है, जो उस विकास खण्ड के विकास को गति प्रदान कर रहे हैं।
- प्रदेश के युवाओं को सरकार के साथ नीति, प्रबन्धन, क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण के कार्यों में सहभागिता का विशिष्ट अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्य मंत्री फेलोशिप कार्यक्रम संचालित किया गया है।
- नीति आयोग द्वारा जनपदों की रैंकिंग हेतु विकसित डैशबोर्ड-चैम्पियन्स आफ चेन्ज में समग्र रूप से डेल्टा रैंकिंग में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 06 जनपद सम्मिलित हैं।
- मेरी सरकार ने अपराध और अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर प्रदेश में अपराधमुक्त, भयमुक्त व अन्यायमुक्त वातावरण स्थापित किया है। इससे जनता में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हुई है, विकास गतिविधियों में तेजी आई है और प्रदेश में व्यापक स्तर पर निवेश आया है।
- अपराध पर प्रभावी अंकुश लगने से प्रदेश में आपराधिक मामलों में निरन्तर कमी आ रही है। वर्ष 2016 के सापेक्ष वर्ष 2022 में डकैती के अपराध में 80.31 प्रतिशत, लूट की घटनाओं में 61.51 प्रतिशत, हत्या के अपराध में 32.45 प्रतिशत, बलवा के मामलों में 51.65 प्रतिशत, फिरौती हेतु अपहरण के अपराध में 43.18 प्रतिशत तथा बलात्कार के अपराध में 21.75 प्रतिशत की कमी आई है।
- पुलिस की प्रभावी एवं ठोस कार्यवाही से समाज के सभी वर्गों विशेषकर महिलाओं, बालिकाओं, व्यापारियों एवं कमजोर वर्गों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।
- पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से 01 लाख 53 हजार 728 भर्तियां की गई हैं, जिनमें 22 हजार 184 महिला कार्मिक सम्मिलित हैं।

- पुलिस सुदृढ़ीकरण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के उद्देश्य से 244 थाने व 133 चौकियों, 78 जनपदों में एन्टी थेप्ट पुलिस थाने, 40 एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थाने, 74 जनपदों में 79 महिला पुलिस चौकियों, परामर्श केन्द्रों/थानों की स्थापना की गई है।
- कर्तव्यपालन के दौरान शहीद होने वाले पुलिस कर्मियों के आश्रितों को देय अनुग्रह राशि रु0 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख कर दी गई है।
- पुलिस बल में व्यापक सुधार करते हुए लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर नगर, वाराणसी नगर, आगरा, गाजियाबाद तथा प्रयागराज में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू की गई है।
- साइबर क्राइम से निपटने के लिये रेंज स्तर पर 18 साइबर क्राइम थानों का गठन किया गया है। साथ ही साइबर सम्बन्धी अपराधों के लिये हेल्प लाइन नं0 1930, 24x7 क्रियाशील है।
- 18 परिक्षेत्रीय थानों पर अत्याधुनिक साइबर फारेन्सिक लैब तथा साइबर मुख्यालय, लखनऊ पर एडवान्स साइबर फोरेन्सिक लैब की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही लखनऊ में यू0पी0 स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फोरेन्सिक साइन्स का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- 'यू0पी0 कॉप' मोबाइल ऐप के माध्यम से ई0-एफ0आई0आर0 सहित पुलिस विभाग से सम्बन्धित 26 सेवायें जनसामान्य को प्रदान की जा रही हैं।
- प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा एवं उनके सशक्तीकरण हेतु 'एण्टी रोमियो स्क्वॉड' का गठन, मिशन शक्ति, सेफ सिटी परियोजना एवं 03 महिला पी0ए0सी0 बटालियन की स्थापना की गई है। समस्त जनपदों में 3 हजार पिंक बूथ की स्थापना का कार्य प्रगति पर है।
- लोक एवं निजी सम्पत्तियों के सम्बन्ध में दंगा, हड़ताल, बन्द, प्रदर्शन के दौरान किये जाने वाले हिंसात्मक कृत्यों से निपटने और उपद्रवियों से मृतक, घायल तथा सम्पत्ति के स्वामी को प्रतिकर दिलाये जाने हेतु 'उत्तर प्रदेश लोक तथा निजी सम्पत्ति वसूली (संशोधन) अधिनियम, 2022' पारित कराया गया।
- पुलिस बल में महिला कर्मियों की तैनाती को दोगुना करने तथा प्रत्येक थाने में साइबर हेल्पडेस्क की स्थापना करने का लक्ष्य है। सार्वजनिक स्थानों पर सी0सी0टी0वी0 एवं 600 स्थानों पर पिंक बूथ स्थापित किये जायेंगे।

- होमगार्ड्स स्वयंसेवकों द्वारा पुलिस बल के सहयोगी बल के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। होमगार्ड्स स्वयंसेवकों को प्रत्येक 03 वर्ष में एक बार रु0 3000 की धनराशि वर्दी भत्ते के रूप में तथा इनकी मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता की दशा में रु0 05 लाख की अनुग्रह राशि प्रदान की जाती है।
- प्रदेश की जेल व्यवस्था के सुचारु संचालन हेतु नवीन उत्तर प्रदेश कारागार नियम संग्रह (जेल मैनुअल-2022) अधिसूचित किया गया है।
- कारागारों का आधुनिकीकरण सरकार की प्राथमिकता है, वर्तमान में 72 कारागारों एवं 73 जनपद न्यायालयों में 99 प्रतिशत रिमाण्ड की कार्यवाही वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से कराई जा रही है।
- उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि में पंजीकरण की 30 वर्ष की अवधि पूर्ण कर चुके अधिवक्ताओं को कल्याण निधि से दी जाने वाली धनराशि को रु0 1.50 लाख से बढ़ाकर रु0 05 लाख कर दिया गया है।
- वर्ष 2022-2023 में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालतों में 01 करोड़ 54 लाख से अधिक मामलों का निस्तारण किया गया।
- राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, प्रयागराज की बाउण्ड्री वॉल एवं प्रशासनिक भवन के निर्माण हेतु रु0 414.17 लाख की धनराशि निर्गत की गई है। माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद परिसर में एडवोकेट चेम्बर्स तथा मल्टी लेविल पार्किंग के निर्माण हेतु वर्ष 2022-2023 में रु0 640.43 करोड़ की स्वीकृति निर्गत की गई है। प्रदेश के जनपद न्यायालयों में 337 कोर्ट रूम का निर्माण पूर्ण कराया जा चुका है तथा 221 कोर्ट रूम का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- अवैध कब्जे हटाने के लिये प्रदेश स्तर पर 04 स्तरीय ऐण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया है। प्रदेश में अनाधिकृत कब्जे/अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान के अन्तर्गत 70 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है।
- 847 अतिक्रमणकर्ताओं को भू-माफिया के रूप में चिन्हित किया गया है तथा वर्तमान में 196 भू-माफिया जेल में निरुद्ध हैं।
- वर्ष 2017 से अब तक कुल 87,128 राजस्व ग्राम खतौनियों में खातेदारों/ सहखातेदारों के गाटों में खतौनी पुनरीक्षण एवं अंश निर्धारण पूर्ण कर लिया गया है तथा 1,06,889 राजस्व ग्राम खतौनियों को डिजिटाइज कर ऑनलाइन कर दिया गया

है। मेरी सरकार ''स्वामित्व योजना'' के अन्तर्गत ग्रामीण आबादी के सर्वेक्षण एवं अभिलेख संक्रिया के कार्य को तेज गति से कर रही है। अब तक 34,045 ग्रामों का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 50,37,654 घरौनियां तैयार की जा चुकी हैं। रेवेन्यू कोर्ट केस मॉनिटरिंग पोर्टल पर वाद दायर करने की ऑनलाइन व्यवस्था की गई है। अब तक 35.60 लाख से अधिक प्राधिकरणों में निर्विवाद वरासत दर्ज की गई है। सभी तहसीलों में मॉडर्न रिकार्ड रूम की स्थापना कराये जाने की योजना है।

- जी0एस0टी0 रिटर्न दाखिले में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में है। प्रदेश में अगस्त, 2022 तक के देय रिटर्न 95 प्रतिशत दाखिल है जो देश के औसत से अधिक है।
- मुख्य मंत्री व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत पंजीकृत व्यापारी की दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु, आंशिक व पूर्ण दिव्यांगता हो जाने की स्थिति में व्यापारी के नामिनी/उत्तराधिकारी/स्वयं व्यापारी को रु0 10 लाख की बीमा राशि का भुगतान किया जाता है।
- जी0एस0टी0 में समाधान योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 3.28 लाख व्यापारी लाभान्वित हुए हैं।
- भारत सरकार की खेलो इण्डिया योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अवस्थापना सुविधाओं का निर्माण कराया जा रहा है, प्रत्येक गांव में खेल का मैदान व ओपेन जिम की व्यवस्था का कार्य प्रगति पर है, साथ ही इस योजना के अन्तर्गत संचालित 21 परियोजनाओं में से 14 परियोजनायें पूर्ण हो चुकी हैं।
- ग्रामीण स्टेडियम का निर्माण एवं ओपेन जिम की स्थापना के अन्तर्गत 19 ग्रामीण स्टेडियमों के निर्माण की कार्यवाही की गई है।
- माननीय सदस्यगण, मैंने आपके समक्ष सरकार की प्रमुख विकासोन्मुखी नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की है। वित्तीय वर्ष 2023-2024 का आय-व्ययक शीघ्र ही सदन में प्रस्तुत किया जायेगा। विगत सत्र के पश्चात् मैंने एक अध्यायदेश प्रख्यापित किया है, जिसका प्रतिस्थानी विधेयक व कतिपय अन्य महत्वपूर्ण विधेयक आपके विचारार्थ प्रस्तुत किये जायेंगे।
- मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी माननीय सदस्यगण प्रदेश की आम जनता के व्यापक हित में मेरी सरकार का सहयोग कर जन आकांक्षाओं को पूरा करने में अपना बहुमूल्य योगदान करेंगे एवं इस सदन की उच्च गरिमा एवं पवित्रता को बनाये रखेंगे।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की मंगल कामना करते हुए आपको हार्दिक धन्यवाद देती हूं कि आपने मुझे अपने मध्य आने और सरकार के कार्य कलापों को प्रस्तुत करने का सुअवसर प्रदान किया। आप सभी एवं प्रदेशवासियों को होली, चैत्र नवरात्र एवं राम नवमी की शुभकामनाएं।

जय हिन्द !

[12:32] माननीय राज्यपाल के अभिभाषण को ऑनलाइन/ऑफलाइन उपलब्ध कराने की मांग

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, मैं कहना चाहूंगा कि अभिभाषण न टैबलेट पर लोड है और न ही इसकी प्रति मिली है।

श्री अध्यक्ष-

प्रमुख सचिव जी, इसको दिखवा लीजिये। महामहिम का अभिभाषण अपलोड भी हो जाये और उसकी कॉपी भी सभी लोगों को मिल जाये।

हम सबको मालूम है कि आज महामहिम श्री राज्यपाल जी का अभिभाषण था। कैलेण्डर ईयर के प्रथम उपवेशन में श्री राज्यपाल जी का अभिभाषण होता है। दुर्भाग्य से हमारे वर्तमान सदस्य जो हमारे बीच में नहीं रहे, कल उनके लिये निधन के निर्देश निर्धारित हैं। कल निधन की सूचनाएं ली जायेंगी। अब जो विधान सभा का सत्र चलेगा, उसमें पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में जो कुछ महत्वपूर्ण विषय उत्तर प्रदेश की विधान सभा में लिये गये, मैं उसकी जानकारी आप सब लोगों को दूंगा।

श्री अध्यक्ष द्वारा सदन को सम्बोधन

विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली में वृहद् संशोधन किये जा रहे हैं। नियमावली समिति इसको देख रही है। इस पर बहुत तेजी से काम किया जा रहा है। प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली में माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी का भी बहुत महत्वपूर्ण रोल होता है। उनसे विचार-विमर्श करके यथासम्भव जैसे ही उसकी प्रक्रिया पूरी हो जाती है, वह विधान सभा के समक्ष आयेगी और विधान सभा उसको पास करेगी। माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा बहुत सारे महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये, जिसके अन्तर्गत माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि जैसे पार्लियामेण्ट में उत्कृष्ट सांसद का चयन होता है, उसके लिये भी नियमावली बन गई है, तो इसी सत्र में वह सभी सदस्यों के लिये उपलब्ध होगी और सदन उसको पास करेगा। माननीय सदस्यों के द्वारा जो समय-समय पर वक्तव्य दिये जाते हैं, माननीय मुख्य मंत्री जी ने कई बार, कई अवसरों पर विधान सभा में भी और विधान सभा के बाहर भी इस बात को कहा है कि सदस्य, विधान सभा से सम्बन्धित समस्याओं को, अपने विषय को जो जनहित के हैं, जन-कल्याणकारी हैं, उनको विधान सभा में उठायें। अभी श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण के

ऊपर भी चर्चा होगी, बजट के ऊपर भी सामान्य चर्चा होगी। जो भी सदस्य अभिभाषण और बजट की चर्चा में भाग लेंगे और अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बतायेंगे विधान सभा सचिवालय के द्वारा उन समस्याओं को सम्बन्धित विभागों को भेज दिया जायेगा, ताकि उनका निराकरण किया जा सके। उत्तर प्रदेश के इतिहास के बारे में जैसे विधान सभा और विधान परिषद् का गठन कब हुआ। अंग्रेजी शासन के समय उत्तर प्रदेश विधान सभा का गठन हुआ था तब से लेकर अब तक बहुत सारे ऐसे ऐतिहासिक निर्णय लिये जा चुके हैं, जिससे उत्तर प्रदेश की विधान सभा का गौरवमयी इतिहास बना है। जिस प्रकार लोक सभा की गैलरी है उसी प्रकार से उत्तर प्रदेश विधान सभा की भी डिजिटल गैलरी बनाने के लिये माननीय मुख्य मंत्री जी से विचार-विमर्श हुआ और उनके निर्देशन पर उत्तर प्रदेश विधान सभा के परिसर में गेट नं0-3 के पास विधायी डिजिटल वीथिका का कल मुख्य मंत्री जी के द्वारा शुभारम्भ किया गया है। वीथिका के लिये एक-आध मशीनें विदेश से आनी थीं, जिसके कारण उसको पूरा करने में एक-आध दिन का समय अभी और लगेगा। सम्भवतः बुधवार या बृहस्पतिवार को मैं यहां पर डिटेल में उसकी जानकारी दूंगा कि कैसे हमारे सभी सम्मानित सदस्य उस वीथिका को देख सकते हैं।

उस वीथिका को देखने के लिये मैं एक एस0ओ0पी0 जारी करूंगा कि इस नम्बर से इस नम्बर तक के सदस्य इस समय जा सकेंगे, क्योंकि अगर उसको पूरे मन और पूरे मनोयोग से देखना है तो 25-30 लोग ही उसको अच्छी तरीके से समझ पायेंगे। अगर वहां पर रश नहीं होगा तो लोग बेहतर तरीके से समझ पायेंगे। यह सब जैसे ही पूर्ण हो जायेगा तो मैं सदस्यों को जानकारी दूंगा। उसमें बहुत सारी नई-नई चीजें हैं, मुख्य मंत्री जी के द्वारा जो वक्तव्य दिया गया था, जिसे आप सब लोगों ने अखबार में पढ़ा है। हमारी 18वीं विधान सभा चल रही है, पहले इस प्रकार की परम्परा थी कि विधान सभा के आखिरी सत्र जो 5वें वर्ष में पूरा होता था उस समय सभी माननीय सदस्यों के साथ एक ग्रुप फोटोग्राफ होती थी। मैंने उसके ऊपर निर्णय लिया कि वह इसी वर्ष पहले सत्र में 3 मार्च को फोटोग्राफ होगी। मैं सारी सूचनायें इसलिये दे रहा हूं ताकि सारे सदस्य 3 मार्च को उपस्थित रहें नहीं तो पता चले कि सदस्य उपस्थित ही नहीं हैं। सदस्यों को जानकारी न होने के कारण उनकी फोटो खिंच नहीं पाती। यह बात बार-बार सभी सदस्यों द्वारा कही गई कि विधान सभा में उन्हें बोलने का अवसर मिलना चाहिये। हम सबको मालूम है कि अबकी बार का सत्र काफी लम्बा है। कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिशें अभी मैं सदन के समक्ष रखूंगा, यदि सदस्य सहमत होंगे तो जब तक कोरम रहेगा जितने भी सदस्य बोलना चाहेंगे चाहे वह रात के 10-11-12-1 बजे तक बोलें, मैं हाउस को चलाऊंगा। अगर सभी सदस्य सहमत होंगे तो मैं सदन जरूर चलाऊंगा। सभी सदस्य सदन में अपनी बातों को रख सकते हैं। प्रश्नों को लेने के लिये एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। हम सबको मालूम है कि प्रश्न लिये जाते हैं। पिछले कुछ दिनों से ऑन-लाइन प्रश्न लिये जाते

थे। ऑन-लाइन प्रश्न लिये जाने के कारण कई माननीय सदस्यों ने कहा कि हम लोग सारा दिन व्यस्त रहते हैं शाम को 5 बजे पोर्टल बन्द हो जाता है उसके बाद अगले दिन 10 बजे खुलता है। दिन के समय पब्लिक का टाइम होता है हम लोगों को इतना समय नहीं मिल पाता है कि हम लोग प्रश्न लगा सकें। तो मैंने यह निर्णय किया है कि आप 24 घण्टे में कभी भी प्रश्न लगा सकते हैं, हमारा पूरा पोर्टल खुला रहेगा।

मुझे अच्छा लगा कि मुख्य मंत्री जी ने कहा कि जो बहुत सारी अच्छी प्रैक्टिसेज पार्लियामेण्ट में हैं, उन्हें हमें लेना चाहिये। उनके सुझाव और निर्देश पर मैंने यह निर्णय किया है कि विधान सभा के सत्र के दिनों में रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर हमारी एक-एक गाड़ी खड़ी रहेगी, जो माननीय सदस्यों को उनके आवास तक छोड़ देगी या उनको विधान सभा तक छोड़ देगी। लेकिन कहीं और ले जाने के लिये यह नहीं होगी। हम उसकी हेल्पलाइन की जानकारी देंगे। विधान सभा सत्र के बाद यदि कोई सदस्य एयरपोर्ट या स्टेशन से आ रहे हैं तो भी उनके घर तक या विधान सभा तक छोड़ने की व्यवस्था करेंगे, उनको इतनी अनुमति दी जायेगी। निवेदन है कि हमारे सदस्य अनुशासन में रहेंगे यह नहीं कहेंगे कि इधर-उधर ले चलो। इसके लिये अगर आप विधान सभा को सूचना दे देंगे तो आपको एयरपोर्ट या स्टेशन से आपके घर या यहां तक छोड़ने का प्रबन्ध किया जायेगा। एयरपोर्ट पर जो हमारे माननीय सदस्य आयेंगे उनके लिये एयरपोर्ट पर हेल्पडेस्क रहेगी, जिससे वह पूरी जानकारी ले सकेंगे और वहां से को-आर्डिनेट कर सकेंगे। मैंने विधान सभा की डिजिटल गैलरी के बारे में यहां पर जानकारी दी है। विधान सभा के दिनों में सदस्यों के लिये डिजिटल गैलरी खुली रहेगी, मैं उसकी सूचना आपको एक-दो दिनों में दे दूंगा। इसके अलावा एक गाइडेड टूर भी करेंगे, क्योंकि मैंने कहा था कि उत्तर प्रदेश की विधान सभा हमारे 403 सदस्यों से मिलकर बनती है, लेकिन वह केवल 403 सदस्यों की नहीं है। उत्तर प्रदेश की विधान सभा, उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की विधान सभा है। उनको भी उत्तर प्रदेश की विधान सभा देखने का अधिकार है। पिछले दिनों माननीय मुख्य मंत्री जी से एक डेलीगेशन मिलने के लिये गया था। उन्होंने विशेष रूप से उनसे कहा कि आप लोग विधान सभा देख कर आइये। उत्तर प्रदेश विधान सभा की जो गैलरी है, उसका भी हम पोर्टल बनायेंगे, उसके लिये समय देंगे, लोग रिक्वेस्ट करेंगे तो हम उसके हिसाब से निर्धारित करेंगे कि कौन-कौन से ग्रुप में कौन-कौन आ सकता है। उस आधार पर डिजिटल गैलरी भी सबके लिये उपलब्ध होगी। यह कुछ महत्वपूर्ण सूचनायें थीं, जो मुझे आज यहां पर देनी थीं।

[12:42] पार्लियामेंट की भांति ही वरिष्ठ सदस्यों को आवास आवंटित किये जाने की मांग

श्री इकबाल महमूद-

मान्यवर, मेरा एक सुझाव है और यहां पर सभी माननीय सदस्य बैठे हैं। जिस तरह से पार्लियामेण्ट में सीनियारिटी के हिसाब से मकानों का आवंटन होता है और सीनियर सदस्यों

को बड़े मकान दिये जाते हैं, उसी तरह से आप भी कर दें या इसके लिये सरकार को निर्देश दे दें।

श्री अध्यक्ष-

आप अपना सुझाव लिख कर दे दीजिये, हम इसे देखेंगे।

श्री इकबाल महमूद-

मान्यवर, मैंने आपसे कह दिया है, उसे आप देख लीजियेगा।

श्री अध्यक्ष-

आपने सुझाव दिया है, लेकिन तत्काल निर्णय नहीं हो सकता है, धन्यवाद।

(सदस्य श्री अवधेश प्रसाद और श्री मनोज कुमार पाण्डेय के खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

इसमें ऐसी कोई बात कही हो, जिस पर आप लोग सहमत न हों, उस पर बोल दीजिये। आप दोनों लोगों में कौन बोलेगा ?

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, हमारा सुझाव भी है और हम लोग आभार भी व्यक्त करेंगे।

[12:43] विभागवार बजट पेश करने और कटौती का प्रस्ताव रखने के सम्बन्ध में

श्री अवधेश प्रसाद-

मान्यवर, एक बहुत महत्वपूर्ण बात है। पहले हम लोग जीतकर आते थे बजट सत्र में जब विभागवार बजट पेश होता था, तब विपक्ष को कटौती का प्रस्ताव रखने का अवसर मिलता था। लेकिन इधर पता नहीं क्या फैशन चल गया या परम्परा शुरू हो गई कि विभागवार बजट आता ही नहीं है और न कटौती का अवसर मिलता है।

श्री अध्यक्ष-

कार्य-मंत्रणा समिति में जो निर्णय हुआ है, वह हम अभी आपको बतायेंगे। माननीय अवधेश प्रसाद जी, जब कार्य-मंत्रणा की सिफारिशें आपके समक्ष रखी जायेंगी, उसके बाद अगर आपका कोई इश्यू होगा, तब बताइयेगा। जो आप कह रहे हैं, हो सकता है कि वह कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिशों में हो। आप बैठिये।

श्री अवधेश प्रसाद-

मान्यवर, उसको आप कराइये, धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद। मनोज जी, आप बताइये। अगर इसमें कोई खराब बात हो तो टोक दीजिये, अन्यथा बैठ जाइये।

मा0 सदस्यों के लिये सिंगल विण्डो की सुविधा उपलब्ध कराने एवं मा0 सदस्यों से सम्बन्धित प्रकरणों में मीडिया ट्रायल न किये जाने के सम्बन्ध में

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, आपके लिये खराब कौन कहेगा ? हम सबका सौभाग्य है कि आप विधान सभा अध्यक्ष के रूप में हम सबको मिले हैं और हम सभी सदस्य मुक्तकंठ से इस बात की जरूर प्रशंसा करेंगे कि इस 18वीं विधान सभा में लगातार आपके दिशा-निर्देशन में विधान सभा के अन्दर जो आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है, उसके लिये हम आपका आभार भी प्रकट करेंगे और आपको धन्यवाद भी देंगे। माननीय अध्यक्ष जी, इसमें किसी की भी कोई राय पक्ष-विपक्ष की नहीं है। जिस तरीके से आपने तारांकित प्रश्नों की संख्या बढ़ाई और काफी बड़ी संख्या में तारांकित प्रश्न लोगों के आ गये। अनुपूरक में भी आपने पूरा अवसर दिया है और यही नहीं जिस तरीके से विधान सभा की गैलरी में हमारे इतिहास को भी आपने लाने का काम किया है। हम उसके लिये भी आपको धन्यवाद देते हैं और एक निवेदन भी आपसे करेंगे। माननीय अध्यक्ष जी कि कई राज्यों में यह व्यवस्था हुई है, जिस तरीके से तमाम ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कार्य आपने किये हैं, इसमें हम सबका निवेदन है कि विधायकों के लिये एक सिंगल विण्डो की व्यवस्था के जरूर आप यहां पर कुछ निर्देश दे दें। विधायकों के लिये अलग-अलग तरीके से काम होते हैं।

श्री अध्यक्ष-

कल आपने यह कहा था। मुख्य मंत्री जी ने उसका संज्ञान लिया था। कल यह बात मुख्य मंत्री जी द्वारा संज्ञान लेकर आगे के निर्णय करने के लिये कहा है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, इस सदन में एक निवेदन और था। माननीय अध्यक्ष जी मीडिया भी स्वतंत्र है और हम स्वतंत्रता के पक्षधर हैं। वह कहीं न कहीं लोकतंत्र का एक मजबूत स्तम्भ है। इस समय खासकर जो माननीय सदस्यों के ऊपर किसी बात का कोई आरोप लगा दे तो मीडिया उसको ट्रायल करने लगता है और वह उस सीमाओं को भी पार कर जाता है। ऐसा लगता है कि मीडिया ही पूरा उसका ट्रायल कर देता है। हम उसकी किसी चीज पर रोक नहीं करना चाहते, लेकिन खासकर सदन के जो सदस्य हैं उनके ऊपर एक आरोप के बाद कोई आरोप साबित नहीं हुआ तब भी मीडिया का उसके ऊपर ट्रायल होने लगता है, इस पर अंकुश लगना चाहिये। अगर विशेषाधिकार की श्रेणी में नियमतः आ सकता, तो लेना चाहिये। यह हमारा आग्रह है।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, सबसे पहले मनोज जी को धन्यवाद, क्योंकि विशेष रूप से उन्होंने इस विषय को उठाया है। माननीय अध्यक्ष जी बधाई देना चाहता हूं, विशेष रूप से माननीय मुख्य मंत्री जी को। जब से यह सरकार आई है, तब से इस सरकार ने लगातार कई

इनोवेसन किये और गुड गवर्नेंस के आधार पर यह सरकार दोबारा सत्ता में आई है। मैं विशेष रूप से मुख्य मंत्री जी को इसके लिये धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने जो कुछ भी आपको इस सम्बन्ध में निर्देश दिया, इस सम्बन्ध में वार्तालाप हुआ और जो भी यहां पर विधान सभा में परिवर्तन देखने को मिल रहा है उसके लिये मैं विशेष रूप से माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा और माननीय अध्यक्ष जी, आपको विशेष रूप से कि आपने उसका बहुत सफलतापूर्वक कार्यान्वयन भी किया, क्योंकि डिस्कशन भी होते हैं, बात-चीत भी होती है, लेकिन उसको जमीन पर उतारना यह भी अपने आप में बहुत बड़ा पक्ष है। चाहे गैलरी की बात हो, चाहे विधायकों की सुविधा के लिये अन्य उठाये गये कदम हों। सभी के लिये हम आपको धन्यवाद देते हैं और हम यह जरूर चाहेंगे कि जिस प्रकार से सदन का माहौल बना हुआ है, उसी प्रकार से बना रहे। हम आपकी (विपक्ष की) सकारात्मक आलोचना को स्वीकार करेंगे। पॉजिटिव क्रिटिसिज्म हो और जैसा कि मनोज जी ने कहा पत्रकारों के ऊपर कोई प्रतिबन्ध तो मैं समझता हूं लगाना नहीं चाहिये। इसलिये कि फ्रीडम ऑफ स्पीच के ऊपर 30 बरस तक सुप्रीम कोर्ट में जो केस चला उसी के आधार पर उसी के आधार पर उनको यह सूचना का अधिकार मिला हुआ है। अगर शायद फीडम ऑफ स्पीच के ऊपर केस न होता तो यह इतना बड़ा अधिकार हमको राइट टू इन्फार्मेशन का शायद नहीं मिलता। इसलिये मैं इस बात से सहमत नहीं हूं क्योंकि मीडिया का यह रोल अपने आप में बहुत इम्पॉर्टेन्ट है और किसी भी तरीके का अगर मैसेज जाता है तो मैं समझता हूं कि न तो हमारे लिये न तो विधायिका के लिये उपयुक्त होगा और न किसी प्रकार वैसे उपयुक्त होगा। पुनः एक बार चाहे वह डिजिटल गैलरी हो, चाहे विधायकों की सुविधा के लिये उठाये गये अन्य कदम हों, लॉबी में चाहे चाय-काफी की व्यवस्था हो, चाहे गाड़ी की व्यवस्था हो यह सभी कुछ विधायकों की सुविधा के लिये जो किया गया है उसके लिये मैं विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[12:49] उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अध्यादेश, 2023[†]

आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री नितिन अग्रवाल)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अध्यादेश, 2023 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या-1 सन् 2023) सदन के पटल पर रखता हूं।

राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1010/ग्यारह-2-22-9(42)-17-टी0सी0-62-उ0प्र0जी0एस0टी0-नियम-2017-आदेश-(256)-2022, दिनांक 22 दिसम्बर, 2022 ††

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1010/ग्यारह-2-22-9(42)-17-टी0सी0-62-उ0प्र0 जी0एस0टी0-नियम-2017-आदेश-(256)-2022,

---

[†] छापा नहीं गई।

[††] छापी नहीं गई।

दिनांक 22 दिसम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1 सन् 2017) की धारा-166 के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1239/ग्यारह-2-22-9 (47)-17-टी0सी0-202-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(257)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 †

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1239/ग्यारह-2-22-9(47)-17-टी0सी0-202-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(257)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1 सन् 2017) की धारा-166 के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1240/ग्यारह-2-22-9 (47)-17-टी0सी0-203-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(258)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 †

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1240/ग्यारह-2-22-9(47)-17-टी0सी0-203-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(258)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1 सन् 2017) की धारा-166 के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1241/ग्यारह-2-22-9 (47)-17-टी0सी0-204-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(259)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 †

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1241/ग्यारह-2-22-9(47)-17-टी0सी0-204-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(259)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1 सन् 2017) की धारा-166 के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1242/ग्यारह-2-22-9 (47)-17-टी0सी0-205-उ0प्र0अधि0-1-2017-आदेश-(260)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 †

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1242/ग्यारह-2-22-9(47)-17-टी0सी0-205-उ0प्र0 अधि0-1-2017-आदेश-(260)-

† छापी नहीं गई।

2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1 सन् 2017) की धारा-166 के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1153/ग्यारह-2-22-9(42)-17-टी0सी0-63-उ0प्र0जी0एस0टी0-नियम-2017-आदेश-(261)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 †

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1153/ग्यारह-2-22-9(42)-17-टी0सी0-63-उ0प्र0जी0एस0टी0-नियम-2017-आदेश-(261)-2022, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1 सन् 2017) की धारा-166 के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1193/ग्यारह-2-22-9(42)-17-टी0सी0-64-उ0प्र0जी0एस0टी0-नियम-2017-आदेश-(262)-2023, दिनांक 27 जनवरी, 2023 †

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से राज्य कर अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-1193/ग्यारह-2-22-9(42)-17-टी0सी0-64-उ0प्र0जी0एस0टी0-नियम-2017-आदेश-(262)-2023, दिनांक 27 जनवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1 सन् 2017) की धारा-166 के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियां एवं पंचायतें, उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2015-2016††

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियां एवं पंचायतें, उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2015-2016 को विलम्ब के कारणों सहित उत्तर प्रदेश पंचायत राज (सत्रहवां संशोधन) नियमावली, 2011 के नियम-186 एवं उत्तर प्रदेश जिला पंचायत तथा क्षेत्र पंचायत (बजट तथा सामान्य लेखा) (छठवां संशोधन) नियमावली, 2011 के नियम-176 के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

---

† छापी नहीं गया।

†† छापा नहीं गया।

[12:55] उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत (संशोधन) विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत (संशोधन) विधेयक, 2022, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 को वापस प्राप्त हो गया।

इण्टरमीडिएट शिक्षा (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि इण्टरमीडिएट शिक्षा (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 को वापस प्राप्त हो गया।

उत्तर प्रदेश निरसन विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश निरसन विधेयक, 2022, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 को वापस प्राप्त हो गया।

उत्तर प्रदेश श्री नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद् विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-149 के अन्तर्गत सूचित करता हूं कि उत्तर प्रदेश श्री नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद् विधेयक, 2022 जो उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा दिनांक 6 दिसम्बर, 2022 को पारित किया गया था, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी संशोधन के दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 को वापस प्राप्त हो गया।

उत्तर प्रदेश विनियोग (2022-2023 का अनुपूरक) विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश विनियोग (2022-2023 का अनुपूरक) विधेयक, 2022 जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक

06 दिसम्बर, 2022 के उपवेशन में पारित किया था तथा जो श्री अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक प्रमाणित किया गया था और उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी सिफारिश के दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 को वापस प्राप्त हुआ था, पर राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 13 दिसम्बर, 2022 को प्राप्त हो गई और वह सन् 2022 का उत्तर प्रदेश का तेरहवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत (संशोधन) विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत (संशोधन) विधेयक, 2022 जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 की बैठक में पारित किया था, पर राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 13 दिसम्बर, 2022 को प्राप्त हो गई और वह सन् 2022 का उत्तर प्रदेश का चौदहवां अधिनियम बन गया।

इण्टरमीडिएट शिक्षा (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से घोषित करता हूं कि इण्टरमीडिएट शिक्षा (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022 जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 की बैठक में पारित किया था, पर राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 13 दिसम्बर, 2022 को प्राप्त हो गई और वह सन् 2022 का उत्तर प्रदेश का पन्द्रहवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा विधेयक, 2022 जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 के उपवेशन में पारित किया था तथा जो श्री अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक प्रमाणित किया गया था और उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से बिना किसी सिफारिश के दिनांक 07 दिसम्बर, 2022 को वापस प्राप्त हुआ था, पर राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 13 दिसम्बर, 2022 को प्राप्त हो गई और वह सन् 2022 का उत्तर प्रदेश का सोलहवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश श्री नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद् विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश श्री नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद् विधेयक, 2022 जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक

06 दिसम्बर, 2022 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 की बैठक में पारित किया था, पर राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 13 दिसम्बर, 2022 को प्राप्त हो गई और वह सन् 2022 का उत्तर प्रदेश का सत्रहवां अधिनियम बन गया।

उत्तर प्रदेश निरसन विधेयक, 2022

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से घोषित करता हूं कि उत्तर प्रदेश निरसन विधेयक, 2022 जिसे उत्तर प्रदेश विधान सभा ने अपने दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 के उपवेशन में पारित किया था तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने अपनी दिनांक 06 दिसम्बर, 2022 की बैठक में पारित किया था, पर राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 13 दिसम्बर, 2022 को प्राप्त हो गई और वह सन् 2022 का उत्तर प्रदेश का अट्ठारहवां अधिनियम बन गया।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-14 व 15 में कुछ नहीं है। अब मद संख्या-16

[12:59] कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 19 फरवरी, 2023 की बैठक में विधान सभा के दिनांक 20 फरवरी, 2023 से दिनांक 10 मार्च, 2023 तक के उपवेशनों का कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में रखे जाने की सिफारिशें की हैं :-

1-दिनांक 22 फरवरी, 2023 को अपराह्न 2:00 बजे प्रश्नकाल ले लिया जाये।

2-दिनांक 25 फरवरी, 2023 को निधन के निर्देश अर्थात निधन की सूचानाएं ली जायें। तद्नुसार दिनांक 20 फरवरी, 2023 से दिनांक 10 मार्च, 2023 तक के उपवेशनों का तिथिवार कार्यक्रम निम्नवत रखा जाये :-

फरवरी, 2023

20 सोमवार

1-11:00 बजे पूर्वाह्न

राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत् दोनों सदनों के समक्ष श्री राज्यपाल का अभिभाषण।

2-12:30 बजे अपराह्न

(1) श्री राज्यपाल के अभिभाषण का पढ़ कर सुनाया जाना।

(2) औपचारिक कार्य, यथा अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, नियमों आदि का सदन के पटल पर रखा जाना, विधेयकों का पुरःस्थापन आदि, यदि कोई हों।

फरवरी, 2023

21 मंगलवार	निधन के निर्देश।
22 बुधवार	**1-11:00 बजे पूर्वाह्न** वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक का प्रस्तुतिकरण। 2-श्री राज्यपाल के अभिभाषण (धन्यवाद प्रस्ताव) पर चर्चा।
23 गुरुवार	श्री राज्यपाल के अभिभाषण (धन्यवाद प्रस्ताव) पर चर्चा।
24 शुक्रवार	1-श्री राज्यपाल के अभिभाषण (धन्यवाद प्रस्ताव) पर चर्चा। 2-असरकारी दिवस (आधा दिन)।
25 शनिवार	1-निधन के निर्देश अर्थात् निधन की सूचनाएं। 2-वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा।
26 रविवार	बैठक नहीं होगी।
27 सोमवार	वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा।
28 मंगलवार	वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा।

मार्च, 2023

01 बुधवार	वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा।
02 गुरुवार	वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान।
03 शुक्रवार	1-वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान। 2-असरकारी दिवस (आधा दिन)।
04 शनिवार	वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान।
05 रविवार	बैठक नहीं होगी।
06 सोमवार	वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान।
07 मंगलवार	बैठक नहीं होगी (होलिका दहन का अवकाश)।
08 बुधवार 09 गुरुवार	बैठक नहीं होगी (होली का अवकाश)।
10 शुक्रवार	1-वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान।

2-03:00 बजे अपराह्न

उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2023 का सदन की अनुज्ञा से पुरःस्थापन, उस पर विचार एवं उसका पारण।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश से, जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गई है, सहमत है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव जो माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत किया गया है, से यह सदन सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

अभी जो कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश की सूचना दी गई है उसमें 25 फरवरी (शनिवार) तथा 04 मार्च, 2023 (शनिवार) को भी विधान सभा का सत्र रखा गया है। 25 फरवरी, 2023 के बाद 27 फरवरी, 2023 को सोमवार है। 25 व 27 फरवरी के बीच में 26 फरवरी को रविवार है। आप सब लोग यहां रहें, बाहर जाने का कार्यक्रम न बनायें तो हम लोग 26 फरवरी (रविवार) को भी बैठ सकते हैं। उसकी सूचना हम आप लोगों को दे देंगे।

अब हम उठते हैं, कल दिनांक 21 फरवरी, 2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे पुनः मिलेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 01 बजकर 02 मिनट पर अगले दिन के 11:00 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।

लखनऊ :
दिनांक 20 फरवरी, 2023

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव,
विधान सभा, उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0 145 विधान सभा (228)-06-11-2023-76 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।